दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

.वर्ष 54/ अंक 255/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 21 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

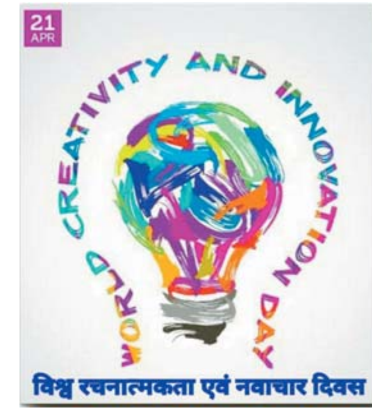

हम आज जो निर्णय ले रहे हैं, वो 1 हजार साल का भविष्य तय करने वाले हैं: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि तेजी से बदलते समय में हमें वैश्विक चुनौतियों पर भी गहरी नजर रखनी है। आप देख रहे हैं कि खाना, पानी और ऊर्जा सुरक्षा अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के लिए ये बहुत बड़ा संकट है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17वें सिविल सेवा दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार के लिए जिलों का समग्र विकासऔर लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से चुनिंदा नवाचार पर ई-कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि इस बार का सिविल सेवा दिवस कई वजहों से बहुत विशेष है। इस साल हम अपने संविधान का 75वां वर्ष मना रहे हैं और ये सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के भी साल है। 21 अप्रैल, 1947 को सरदार वल्लभभाई पटेल ने आप सभी को स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया कहा था। उन्होंने स्वतंत्र भारत की ब्यूरोक्रेसी की नई मर्यादाएं तय की थी। एक ऐसा सिविल सर्वेंट जो राष्ट्र की सेवा को अपना सर्वोत्तम कर्तव्य माने, जो लोकतांत्रिक तरीके से प्रशासन चलाए, जो ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण से भरा हुआ हो। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले मैंने लाल किले से कहा था कि आज के भारत को आने वाले 1 हजार साल की नींव को मजबूत करना है। एक हिसाब से देखें तो 1 हजार साल की सहस्त्राब्दी में पहले 25 साल बीत गए हैं। ये नई शताब्दी का 25वां साल है और नई सहस्त्राब्दी का भी 25वां साल है।

विकास रथ के हर चक्र को मिलकर चलना है

पीएम मोदी ने कहा, हम आज जिन नीतियों पर काम कर रहे हैं, जो निर्णय ले रहे हैं, वो 1 हजार साल का भविष्य तय करने वाले हैं। उन्होंने कहा, विकसित भारत के हमारे लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भी विकास रथ के हर चक्र को मिलकर चलना है। दृढ़ प्रतिज्ञ होकर हर क्षण, हर दिन इस लक्ष्य के लिए काम करना है। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जीना है, जिंदगी खपानी है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है की इस बार सिविल सेवा दिवस की थीम भारत का समग्र विकास रखी गई है। भारत का समग्र विकास यानी कोई गांव पीछे न छूटे। कोई परिवार पीछे न छूटे। कोई नागरिक पीछे न छूटे। असल प्रगति का मतलब छोटे बदलाव नहीं होता बल्कि पूर्ण पैमाने पर प्रभाव होता है। हर घर में साफ पानी, हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, हर उद्यमी को वित्तीय पहुंच और हर गांव को डिजिटल अर्थव्यवस्था का लाभ। यही है- समग्र विकास। पीएम मोदी ने कहा कि मैं मानता हूं कि शासन में गुणवत्ता सिर्फ योजनाएं लॉन्च करने से नहीं आती, बल्कि शासन में गुणवत्ता से इससे तय होती है कि वो योजना कितनी गहराई तक जनता के बीच पहुंची और उसका कितना वास्तविक प्रभाव हुआ। पिछले 10-11 साल की देश की जो सफलताएं रही हैं, उन्होंने विकसित भारत की नींव को बहुत मजबूत किया है। आज देश इस मजबूत नींव पर विकसित भारत की भव्य इमारत का निर्माण शुरू कर रहा है। लेकिन निर्माण की इस प्रक्रिया में हमारे सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। भारत अब दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। ऐसे में बेसिक सुविधाओं की परिपूर्णता हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आपको अंतिम छोर डिलीवरी पर हमेशा बहुत ज्यादा फोकस करते रहना है। समय के साथ देशवासियों की जरूरत और आकांक्षाएं तेजी से बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते समय में हमें वैश्विक चुनौतियों पर भी गहरी नजर रखनी है। आप देख रहे हैं कि खाना, पानी और ऊर्जा सुरक्षा अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के लिए ये बहुत बड़ा संकट है।

पीएम मोदी ने लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए दिए अवॉर्ड

नई दिल्ली। राष्ट्रीय लोक सेवा दिवस के अवसर पर केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों को उनके द्वारा वर्षभर में किए गए असाधारण कार्यों के लिए सम्मानित किया जाता है। इस दिन अधिकारी मिलकर आने वाले सालों की योजना पर भी विचार करते हैं एवं उनपर विभिन्न मतों को प्रकट करते हैं। कई संस्थानों में सिविल सर्वेंटों को बतौर अतिथि आमंत्रित किया जाता है जहां पर वे अपने कार्य से जुड़े अनुभवों को बांटते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को लोक सेवा दिवस के अवसर पर लोक सेवकों को संबोधित किया। कार्मिक मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, पीएम मोदी ने इस मौके पर जिलों और केंद्र/राज्य सरकारों में चिह्नित प्राथमिकता कार्यक्रमों और नवाचार के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार भी प्रदान किए। प्रधानमंत्री ने समग्र विकास और नवाचारों पर ई-पुस्तकें भी जारी कीं, जिनमें प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों और नवाचारों के कार्यान्वयन की सफलता की कहानियां शामिल हैं।

सांध्यप्रकाश विशेष

ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का 88 साल की उम्र में वेटिकन में निधन

वेटिकन। कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का 88 साल की उम्र निधन हो गया है। वेटिकन के मुताबिक स्थानीय समयानुसार आज सुबह 7 बजकर 35 मिनट पर पोप ने आखिरी सांस ली। पोप फ्रांसिस इतिहास के पहले लैटिन अमेरिकी पोप थे। पिछले कई महीनों से वे स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्हें14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा था। वे 5 हफ्ते तक फेफड़ों में इन्फेक्शन के चलते अस्पताल में भर्ती थे। इलाज के दौरान कैथलिक चर्च के हेडक्वॉर्टर वेटिकन ने बताया था कि पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिख रहे थे। साथ ही प्लेटलेट्स की कमी का भी पता चला था। हालांकि 14 मार्च को उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था। पोप फ्रांसिस अर्जेंटीना के एक जेसुइट पादरी थे, वो 2013 में रोमन कैथोलिक चर्च के 266वें पोप बने थे। उन्हें पोप बेनेडिक्ट सोलहवें का उत्तराधिकारी चुना गया था। पोप फ्रांसिस बीते 1000 साल में पहले ऐसे इंसान थे जो गैर-यूरोपीय होते हुए भी कैथोलिक धर्म के सर्वोच्च पद पर पहुंचे।पोप का जन्म 17 दिसम्बर 1936 को अर्जेंटीना के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। पोप बनने से पहले उन्होंने जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो नाम से जाना जाता था। पोप फ्रांसिस के दादा-दादी तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी से बचने के लिए इटली छोड़कर अर्जेंटीना चले गए थे। पोप ने अपना ज्यादातर जीवन अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में बिताया है। वे सोसाइटी ऑफ जीसस (जेसुइट्स) के सदस्य बनने वाले और अमेरिकी महाद्वीप से आने वाले पहले पोप थे। उन्होंने ब्यूनस आयर्स यूनिवर्सिटी से दर्शनशास्त्र और धर्मशास्त्र में मास्टर डिग्री हासिल की थी। साल 1998 में वे ब्यूनस आयर्स के आर्कबिशप बने थे। साल 2001 में पोप जॉन पॉल सेकेंड ने उन्हें कार्डिनल बनाया था।

चीन की दुनिया को धमकी अमेरिका के साथ किसी ने बिजनेस डील की तो खैर नहीं

बीजिंग/ नई दिल्ली। चीन अमेरिका टैरिफ वार के बीच चीन ने उन देशों को सीधी चेतावनी दी है जो अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करने की सोच रहे हैं। चीन का कहना है कि ऐसे समझौतों से बीजिंग को नुकसान हो सकता है। यह चेतावनी सोमवार को आई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका दूसरे देशों को चीन के साथ व्यापार कम करने के बदले में टैरिफ में छूट दे सकता है। जिसके बाद ये प्रतिक्रिया सामने आई है। चीन की कॉमर्स मिनिस्ट्री ने कहा कि वह सभी पक्षों का सम्मान करता है कि वे अमेरिका के साथ बराबरी के आधार पर बातचीत करके अपने आर्थिक और व्यापारिक मतभेदों को सुलझाएं। लेकिन, चीन ने यह साफ कर दिया कि अगर ऐसे समझौते से उसे नुकसान होता है तो वह चुप नहीं रहेगा। मंत्रालय ने कहा कि चीन किसी भी ऐसे समझौते को कभी स्वीकार नहीं करेगा जो चीन की कीमत पर हो। मंत्रालय ने आगे कहा कि अगर ऐसा कोई समझौता किया जाता है, तो चीन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा और इसका दृढ़ता से और उसी तरह से जवाब देगा। इसका मतलब है कि चीन भी वैसे ही कदम उठाएगा जैसे अमेरिका ने उठाए हैं।

एक बच्चे का 2 बार जन्म,मां के पेट से बच्चे को बाहर निकाला, फिर अंदर रखा

नई दिल्ली। कभी-कभी हमारे सामने कुछ ऐसी घटनाएं घटती हैं, जिन्हें हम चमत्कार का नाम दे देते हैं । ऐसा ही कुछ हुआ इंग्लैंड के ऑक्सफोर्ड में जहां एक बच्चे का दो बार जन्म हुआ । एक बार मां की कोख में । वहीं दूसरी बार एक ऐसे पल में जब बच्चे की मां ज़िंदगी और मौत की जंग लड़ रही थी । यहां पर मां की हिम्मत, ममता और उम्मीद ने मिसाल पेश की है। बच्चे की मां ओवरी के कैंसर से जूझ रही थीं। इलाज के दौरान बच्चे को कोख से गर्भ के बाहर निकालना जरूरी था । इसके बाद फिर उसे ज़िंदा वापस गर्भ में रख देना था । ये सिर्फ एक ऑपरेशन नहीं था। यह एक मां और बच्चे की ज़िंदगी की दोबारा लिखी गई कहानी थी। रिपोर्ट के मुताबिक बच्चे का नाम रैफर्टी इसाक है। इसका जन्म दो बार हुआ । दरअसल बच्चे की मां 'लूसी' को प्रेगनेंसी के दौरान ओवरी (Ovaries) के कैंसर का पता चला । डॉक्टरों को डर था कि अगर इलाज में देरी हुई तो कैंसर फैल सकता है। और लूसी की जान को खतरा हो सकता है ।

सिविल सेवा दिवस समारोह: डेढ़ दर्जन से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी सीएम एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित

जो नवाचार किए उनका संकलन कराना चाहिए: यादव

भोपाल। प्रशासन अकादमी में आयोजित सिविल सेवा दिवस समारोह का सीएम मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। पिछले दो साल के प्रदर्शन के आधार पर कार्यक्रम के दौरान डेढ़ दर्जन से ज्यादा अधिकारियों-कर्मचारियों को सीएम एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया

समारोह में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा - मुझे दो उदाहरण याद आते हैं। एक 22 सौ साल पहले का है। जब एक व्यक्ति के लिए कितनी मेहनत की चाणक्य ने। चंद्रगुप्त को ढूंढा। उन्होंने कहा, तुम राजा बन जाओ। महामंत्री मैं बनूंगा, चीफ सेक्रेटरी मैं बनूंगा। जिन्होंने सर्विस की मानसिकता से पूरा उपक्रम किया। सरदार पटेल ने क्या-क्या नहीं किया। उनके उद्गार आज भी याद हैं। सिविल सर्वेंट को क्या करना चाहिए वो उन्होंने बताया था। मध्यप्रदेश के विकास में सबने अपना योगदान दिया। अभी मैंने जिन्हें पुरस्कार दिया तो देखा चेक बहुत बड़ा था। डिजिटल युग में चेक की जरूरत है क्या? मैंने कहा है कि जिन्होंने जो नवाचार किए उनका संकलन कराना चाहिए। प्रवीण सिंह, कलेक्टर सीहोर, अदिति गर्ग आईएएस, चन्द्र मोहन ठाकुर, एमडी भवन विकास निगम, ऋषभ गुप्ता, तत्कालीन कलेक्टर देवास, दिव्यांक सिंह, सीईओ स्मार्ट सिटी इंदौर, अमित तोमर, एमडी पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड इंदौर, गणेश शंकर मिश्रा, एमडी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड भोपाल, संजय जोशी, प्रबंधक एमपीवीकेकेएल भोपाल, शीला दाहिमा, अतिरिक्त सचिव एमपी बोर्ड, डॉ इंदिरा दांगी, आष्टा जिला सीहोर की सहायक प्राध्यापक, शारदा डुडवे माध्यमिक शिक्षक, भाभरा झाबुआ, आलोक पौराणिक, प्राथमिक शिक्षक, पथरिया दमोह, माधव प्रसाद पटेल, माध्यमिक शिक्षक, लिधौरा जिला दमोह, यशपाल सिंह, प्राचार्य एकलव्य आवासीय स्कूल भोपाल, प्रो.बेला सचदेवा, सहायक प्राध्यापक, इंदौर, भूपेंद्र चौधरी, माध्यमिक शिक्षक, सिवनी।

उज्जैन प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से अभिनेता यश ने सौजन्य भेंट की...

विकसित मध्यप्रदेश के स्वप्न को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे: जैन

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा, 21 अप्रैल सिविल सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। सरदार पटेल का भाषण सबको याद है। पटेल ने जो कहा वो हमारे सामने आदर्श है। 3 बातें उन्होंने कही थी डिग्निटी, इंटीग्रिटी और.... एक सिविल सर्वेंट के नाते जब हम ये सोचें कि हमारे सिस्टम ने क्या अचीव किया। पॉलिटिकल लीडर हमें विजन देते हैं। उसे इम्प्लीमेंट करने का काम हम सब करते हैं। 2047 तक विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश के स्वप्न को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। करप्शन फ्री गुड गवर्नेंस के लिए ऐसे देश का निर्माण हो जिसमें आम आदमी की जिंदगी बेहतर हो सके। नौजवान अफसरों के कंधों पर दोहरी जिम्मेदारी है। हमारे एसीएस साथियों की सर्विस कम बची है। यंग ऑफिसर्स विकसित भारत 2047 के संकल्प में अपना सर्वश्रेष्ठ दें।

जल गंगा संवर्धन अभियान: मुख्यमंत्री ने की रामघाट पर सफाई

उज्जैन कुंभ में शिप्रा नदी पर जल मार्ग बनेगा

उज्जैन। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन के रामघाट पर जल गंगा संवर्धन अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने रामघाट पर सफाई की। साथ ही शिप्रा में डुबकी भी लगाई। सीएम ने रामघाट पर सफाईकर्मियों और पंचकोशी यात्रियों का स्वागत करते हुए कहा कि आने वाले कुम्भ में उज्जैन में शिप्रा नदी के अलग-अलग भागों में लोग नौकायन कर एक जगह से दूसरी जगह जा सकेंगे। इसके लिए जलमार्ग बनाया जा रहा है। सीएम ने कहा कि सिध्दनाथ से त्रिवेणी तक 29 किमी के नए घाट तैयार होंगे। पहले से 6 किमी के घाट बने हुए है। इस तरह से कुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को 35 किमी के घाट उपलब्ध होंगे। कुम्भ में हर घाट रामघाट होगा। श्रद्धालु कहीं भी स्नान करेंगे उन्हें उतना ही पुण्य मिलेगा। इस बार कुम्भ में जलमार्ग बनाने जा रहे है। शनि मंदिर से रामघाट, गऊघाट से लालपुर, मंगलनाथ से रामघाट तक नौकायन से लोग आना-जाना कर सकेंगे।

दिल्ली मेयर चुनाव में भाजपा के सामने नतमस्तक हो गई आप, मैदान छोड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली की सियासत में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। नगर निगम मेयर चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) ने मैदान छोड़ दिया है। (एमसीडी) में तीन साल तक लगातार मेयर की कुर्सी संभालने वाली आप ने इस बार मेयर चुनाव से हटने का ऐलान कर सबको चौंका दिया। 21 अप्रैल को नामांकन का आखिरी दिन था और इसी दिन आम आदमी पार्टी ने चुनाव से पीछे हटने का ऐलान कर दिया। अब 25 अप्रैल को होने वाले मेयर चुनाव में आप मैदान में नहीं होगी। पार्टी की नेता और दिल्ली की पूर्व मंत्री आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर साफ कर दिया कि इस बार उनकी पार्टी मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव नहीं लड़ेगी। आतिशी ने भाजपा पर आप के पार्षदों को तोड़ने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, हम किसी को खरीदते या बेचते नहीं हैं। उन्होंने कहा, अब एमसीडी में बीजेपी की बहुमत है, वे अपनी ट्रिपल इंजन की सरकार चलाएं। हम एक मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने भी यही बात दोहराई।

राहुल गांधी ने अमेरिका में भारत की चुनाव प्रणाली को कटघरे में खड़ा किया, कहा- सिस्टम में गड़बड़

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अमेरिका में हैं। ब्राउन यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के साथ सेशन के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि भारत चुनाव प्रणाली में गंभीर समस्या है। रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव पर बात करते हुए भारत की चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने कहा, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राज्य में जितनी युवाओं की संख्या है, उससे ज्यादा मतदान हुआ थे। हमारे लिए उस वक्त बहुत कुछ साफ था कि चुनाव आयोग समझौता कर चुका है। हमें समझ में आ गया था कि सिस्टम में कुछ गड़बड़ है। हमने इसे सार्वजनिक करने को लेकर कई बार कहा है। उन्होंने कहा , ये एक फैक्ट है कि चुनाव आयोग ने हमेशा हमें शाम 5.30 बजे तक के मतदान के आंकड़े दिए। लेकिन शाम 5.30 से 7.30 बजे के बीच लगभग 65 लाख लोगों ने वोट किया। अब आप भी सोचिए ऐसा होना शारीरिक रूप से असंभव है। एक मतदान करने में औसतन 3 मिनट का वक्त लगता है, अगर आप हिसाब लगाएंगे तो रात के 2 बजे तक वोटरों की लाइनें लगी रहीं और वे पूरी रात मतदान करते रहे लेकिन ऐसा नहीं हुआ था।

भागवत कथा में पहुंची मंत्री कृष्णा गौर

भोपाल। राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने कल्याण नगर में श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन व्यास गादी का पूजन कर, कथा वाचक आचार्य गोपाल कृष्ण महाराज का किया स्वागत, कथा का श्रवण के पश्चात किया संबोधित। भानपुर मंडल अध्यक्ष निलेश गौर, वार्ड 73 के पार्षद राजू राठौर, वार्ड 72 के पार्षद, जोन 16 के अध्यक्ष विकास पटेल, भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत, मंडल महामंत्री रविशंकर लोधी, महिला मोर्चा मंडल महामंत्री रीना धाकड़ सहित मंडल, वार्ड पदाधिकारियों ने भी व्यास गादी का किया पूजन।

संविधान गौरव दिवस पर समाजसेवी मेहरा सम्मानित

भोपाल। राज्यपाल ने वरिष्ठ समाजसेवी मनोहर मेहरा को एससीएसटी उत्थान के लिए सम्मानित किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने संविधान गौरव दिवस-2025 के अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी मनोहर मेहरा को विशेष सम्मान से नवाजा। यह सम्मान उन्हें सिलवानी कस्बा प्रताप गढ़ में प्रदान किया गया। वरिष्ठ समाजसेवी मनोहर मेहरा को यह सम्मान अनुसूचित जाति और जनजातीय समाज के सामाजिक और सांस्कृतिक उत्थान में उनके योगदान के लिए दिया गया। वे कई वर्षों से समाज सेवा में सक्रिय हैं और निस्वार्थ भाव से लोगों की मदद करते आ रहे हैं। उनकी सामाजिक सेवाओं को पहले भी कई बार सराहा जा चुका है। मुख्यमंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्रियों ने भी उन्हें विभिन्न अवसरों पर सम्मानित किया है।

विद्यार्थियों ने बनाई अखबार की रद्दी से थैलियां और मेंहदी के कोन, प्राचार्य ने बताए विद्यार्थियों को मोबाइल के दुष्प्रभाव

भोपाल। धार जिला मुख्यालय पर स्थित महर्षि सांदीपनि (सीएम राइज) विद्यालय में रविवार को सहृदय, सीखें, सृजन करें, समाज से जुड़ें थीम पर आधारित ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ राष्ट्रगान एवं मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पालकगण भी उपस्थित थे। कक्षा केजी से लेकर 10 वीं तक के लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रथम दिन शिविर में सहभागिता की। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. स्मृति रत्न मिश्र ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। कक्षा 8 वीं की छात्राओं ने सरस्वती वंदना का गायन किया। इसके बाद शिक्षक राकेश मुकाती द्वारा विद्यार्थियों और शिक्षकों को मेडिटेशन करवाया गया। शिविर में प्राचार्य डॉ. मिश्र ने मोबाइल के दुष्प्रभावों के बारे में विद्यार्थियों को बताया। उन्होंने कहा कि मोबाइल से ज्ञानवर्धक बातें सीखें और रील बनाने के चक्कर में न पड़ें। यदि रील बनाना ही है तो पढ़ाई लिखाई और अच्छी गतिविधियों की बनाएं। शिविर के प्रथम दिन रविवार को विद्यालय का माहौल रोज से अलग होकर उत्साहपूर्ण था। परंपरागत कक्षा शिक्षण से अलग हटकर रोचक गतिविधियां करते हुए लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न रोजगारपरक गतिविधियां करते हुए इन विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण उन्हें खेल-खेल में और रोचक तरीके से दिया गया दिया गया। विद्यार्थियों को समूह में बांटकर उन्हें अखबार के रद्दी कागज से थैलियां बनाना सिखाया गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने स्वयं अनेको थैलियां बनाई। कुछ विद्यार्थियों के समूह ने आर्ट एवं क्राफ्ट की बारीकियां सीखी तो कुछ ने पेंटिंग की। छात्राओं के एक समूह ने मेहंदी की डिजाइन बनाना और मेंहदी के कोन बनाना सीखा। इसके अलावा स्थानीय खेलकूद में भी अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया।दस दिवसीय शिविर के दौरान विद्यार्थियों के द्वारा प्रतिदिन जो विभिन्न प्रकार की सामग्री बनाई जायेगी उन सभी को अंतिम दिन प्रदर्शनी लगाकर विक्रय किया जायेगा।

वर्दी और बॉडी वॉर्न कैमरा अनिवार्य

वाहन जांच को लेकर परिवहन विभाग ने जारी की नई गाइडलाइन

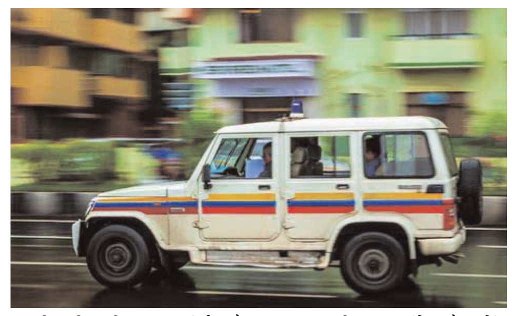

भोपाल। मध्य प्रदेश में परिवहन जांच चौकियों को बंद कर दिए जाने के बावजूद, वाहनों से अवैध वसूली की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। इन मामलों को ध्यान में रखते हुए परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने वाहन जांच की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। परिवहन आयुक्त द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में साफ किया गया है कि जांच कार्यवाही केवल अधिकृत और वर्दीधारी अधिकारियों की मौजूदगी में ही की जा सकेगी। इसके साथ ही, जांच के दौरान बॉडी वॉर्न कैमरों का उपयोग अनिवार्य किया गया है।

गाइडलाइन के अनुसार जांच के समय कम से कम एक सहायक परिवहन उप निरीक्षक का मौजूद होना जरूरी होगा। सभी स्टाफ को वर्दी पहनना अनिवार्य है और वर्दी पर नाम की प्लेट भी होनी चाहिए। जांच कार्यवाही में केवल विभागीय अधिकारी व कर्मचारी ही शामिल रहेंगे, किसी भी निजी व्यक्ति की भागीदारी पूरी तरह वर्जित है। चालान की प्रक्रिया केवल क्ष्हस मशीन के माध्यम से ही की जाएगी। जहां क्ष्हस मशीन उपलब्ध नहीं है, वहां इसके उपयोग की व्यवस्था प्राथमिकता से की जाएगी। एक बार में एक ही वाहन की जांच की जाएगी, और उसके बाद ही अगला वाहन रोका जाएगा। किसी भी वाहन को 15 मिनट से अधिक बिना कारण के नहीं रोका जा सकेगा। रात्रिकालीन जांच के लिए अच्छी रोशनी वाले सुरक्षित स्थान का चयन अनिवार्य होगा। स्टाफ को स्ब्ष्ठ बैटन और रिफ्लेक्टिव जैकेट उपलब्ध कराई जाएंगी। बॉडी वॉर्न कैमरे जांच की पूरी अवधि के दौरान सक्रिय रहेंगे। कम से कम दो कैमरे चालू रहेंगे, जिनमें से एक लाइव मोड में होगा। कैमरे संबंधित अधिकारी या कर्मचारी को ही आवंटित किए जाएंगे। कैमरों की रिकॉर्डिंग और स्टोरेज की निगरानी भी यूनिट प्रभारी की जिम्मेदारी होगी। यदि जांच के दौरान किसी वाहन चालक या अन्य व्यक्ति से विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है, तो उसकी रिकॉर्डिंग अनिवार्य रूप से की जाएगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन की पूरी जिम्मेदारी संबंधित यूनिट प्रभारी की होगी। किसी भी प्रकार की लापरवाही की स्थिति में उनके खिलाफ अनुशासनात्मक या दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

बाबा साहब पखवाड़े के तहत उनकी जयंती मनाई

भोपाल। ऑल इंडिया एस सी एस टी रेलवे एम्पलाइज एसोसिएशन की प्रशासनिक शाखा हबीबगंज में आज डॉक्टर भीमराव अंबेडकरकी 134वीं जयंती एवं महात्मा ज्योतिबा राव फुले की 198 वीं जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर पुरुषोत्तम आठिया जोनल सचिव एवं मंडल कोषाध्यक्ष धर्मराज रामटेक की पूर्व कोषाध्यक्ष एवं पप्पू यादव, विनोद खरे, भीमराव मेश्राम, दिनेश चौधरी, अभिमन्यु कुमार संतलाल आजाद विवेक कुमार राजेश यादव राकेश कोरी कैलाश भाऊ कमल सिंह धुरिया लक्ष्मण लाल सैकड़ो रेल कर्मचारी एवं सदस्य की उपस्थिति रहे।

सड़क किनारे खड़े डंपर में घुसा ऑयल से भरा ट्रक क्लीनर की मौत

भोपाल। राजधानी भोपाल बिलखिरिया इलाके में बीती रात सड़क किनारे पंक्चर खड़े एक डंपर में रिफाइंड ऑयल से भरा तेज रफ्तार ट्रक जा भिड़ा। हादसे में ट्रक के क्लीनर की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद ट्रक में लदा तेल सड़क पर फैल गया, जिसे समेटने के लिए आसपास के लोग टूट पड़े। पुलिस ने बमुश्किल लोगों को वहां से हटाया और घायल चालक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। थाना प्रभारी उमेश सिंह चौहान ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 22 टन रिफाइंड ऑयल से भरा एक ट्रक बूंदी (राजस्थान) से नागपुर जा रहा था। देर रात यह ट्रक ग्राम झागरिया स्थित मोड़ के पास पहुंचा, तभी सड़क किनारे पंक्चर खड़े एक डंपर में पीछे से जा घुसा। हादसा इतना भीषण था कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार क्लीनर और ड्राइवर बुरी तरह फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से किसी तरह क्लीनर और चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक क्लीनर की मौत हो चुकी थी।

कांग्रेस ने ग्राम समरी में की चाय पर चर्चा, पीसी शर्मा हुए उपस्थित

संत हिरदाराम नगर। पूर्व मंत्री पी.सी शर्मा, प्रियव्रत सिंह रविवार को ग्राम सेमरी में चाय पे चर्चा पर उपस्थित हुए। प्रमुख लोग कांग्रेस के वरिष्ठ लोग उपस्थित थे। संगठन संबंधी चर्चा एवं किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई। मौके पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक मारन, राजेंद्र मंडलोई, मंजीत मारन, जगदीश सांवले, विष्णु राजौरिया, पूर्व जनपद सदस्य और ग्रामीण उपस्थित थे।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी हिंदी भवन में आयोजित अग्रवाल समाज के युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मिलित हुए एवं समाज के होनहार युवाओं और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शुभकामनाएं और अपना आशीर्वाद देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग जी, एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

अन्नपूर्णा भोजन सेवा केंद्र में लोडिंग ई-रिक्शा का लोकार्पण आज

संत हिरदाराम नगर। भोपाल विगत 7 वर्षों से निरंतर 350 प्रतिदिन से अधिक कैंसर पीड़ित मरीजों एवं उनके परिजनों को सेवा भारती नानक मंडल के प्रकल्प माँ अन्नपूर्णा भोजन सेवा केन्द्र जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल परिसर ईदगाह हिल्स, भोपाल में नि:शुल्क भोजन फल, मिष्ठान वितरण सेवा की जा रही है। मरीजों एवं उनके परिजनों को गर्म स्वादिष्ट रोटी हेतु पुष्प हरि मीरचंदानी ट्रस्ट मुंबई द्वारा रोटी मशीन प्रदान की गई है। साथ ही बॉडी फ्रीजर लाने ले जाने हेतु लोडिंग ई-रिक्शा भी प्रदान किया गया है। रोटी मशीन एवं ई-रिक्शा के लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चेतन्य कश्यप केबिनेट मंत्री म.प्र. शासन, अध्यक्षता भगवानदास सबनानी विधायक दक्षिण-पश्चिम भोपाल एवं प्रदेश महामंत्री और मुख्य वक्ता सुरेन्द्र सिंह सोलंकी प्रांत संगठन मंत्री सेवा भारती मध्य भारत विशिष्ट अतिथि, किशोर मीरचंदानी प्रमुख पुष्प हरि मीरचंदानी ट्रस्ट मुंबई होंगे। सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया कार्यक्रम 21 अप्रैल सोमवार सुबह 9 बजे सेवा भारती माँ अन्नपूर्णा भोजन सेवा केन्द्र कैंसर हॉस्पिटल ईदगाह हिल्स पर किया गया है।

सीसी रोड और नाली निर्माण कार्य के लिए विधायक-महापौर ने किया भूमिपूजन

भोपाल। दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 33 में सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य के लिए विधायक भगवानदास सबनानी एवं महापौर मालती राय ने भूमि पूजन किया। शनिवार को भीम नगर में हुए कार्यक्रम में क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक सबनानी ने कहा कि नागरिक सुविधाओं के स्थायी समाधान के लिए हम संकल्पित हैं, हमारा निरंतर प्रयास हैं कि क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की कोई कमी नहीं रहे। इसके लिए हम योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्यों को तीव्रगति कर रहे हैं,और आने वाले समय में हमारे क्षेत्र में कई बड़ी योजनाएं भी आने वाली हैं। आज हम 30 लाख रुपए लागत की राशि से होने वाले विकास कार्यों के लिए भूमि पूजन कर रहे हैं। महापौर मालती राय ने कहा कि हमारे सुंदर शहर में निरंतर विकास कार्यों को किया जा रहा है, हम सब मिलकर शहर की सुंदरता स्वच्छता और विकास कार्यों में कोई कमी नहीं होने देंगे। इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य आरके सिंह बघेल जोन अध्यक्ष व पार्षद बृजुला सचान जिला कार्यालय प्रभारी राजू अनेजा तात्या टोपे नगर मंडल अध्यक्ष सोनू पालीवाल नरेश मिश्रा शिवचरण साहू राजेंद्र मिश्रा नंदकिशोर घोडके तारा सिंह संगीता चौहान विकास गौतम अभय गिरी सनत कुशवाह राहुल नेगी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आकाश के 43 छात्रों ने जेईई मेन सेशन 2 में 99 परसेंटाइल या उससे अधिक अंक प्राप्त किए

भोपाल। भारत में टेस्ट प्रिपरेशन सेवाओं में अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने जेईई मेन 2025 (सेशन 2) में अपने छात्रों की शानदार उपलब्धियों की घोषणा की है। शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए, मध्यप्रदेश के 43 छात्रों ने 99 परसेंटाइल या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इन 43 छात्रों में से 16 इंदौर से, 13 जबलपुर से और 2 भोपाल से हैं। शहर के टॉपर्स जबलपुर, रीवा, सागर, उज्जैन, रतलाम और कटनी से हैं। छात्रों को बधाई देते हुए, डॉ. एच.आर. राव, चीफ एकेडमिक और बिजनेस हेड, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने कहा, जेईई मेन 2025 में हमारे छात्रों की शानदार सफलता पर हमें गर्व है। उनकी मेहनत और समर्पण, साथ ही सही मार्गदर्शन, ने इन बेहतरीन परिणामों को संभव बनाया है। आकाश में हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे छात्र अपनी पूरी क्षमता तक पहुँच सकें। सभी सफल छात्रों को हार्दिक शुभकामनाएं और उनके आगे के सफर के लिए शुभेच्छाएं। इन नतीजों से छात्रों की मेहनत और शैक्षणिक प्रतिभा का प्रमाण मिलता है, खासकर ऐसे समय में जब वे भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक में सफलता हासिल कर रहे हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने आज परिणाम घोषित किए, जिससे इस वर्ष के लिए निर्धारित जेईई के दूसरे और अंतिम सेशन का समापन हुआ।

प्राथमिकता से हो रहे जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य

भोपाल। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन कार्य में प्राथमिकता में किये जा रहे है। जनसामान्य को जल संरचनाओं के संरक्षण किये जाने की शपथ भी दिलाई जा रही है। बच्चों को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जल के महत्व, जलवायु परिवर्तन के दुषप्रभाव और पौधरोपण के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है। राजगढ़ जिले मेंजल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में एक-एक जल संरचना का जीर्णोद्धार कर उनमें बरसात के एवं सतही पानी को सहेजने की कवायद की जा रही है। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा इस कार्य में व्यक्तिगत रूचि ले रहे हैं। कलेक्टर के निर्देश पर रविवार को जिले के 25 गांवों में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा उनके अधीनस्थ अमले, ग्रामीण क्षेत्र में पदस्थ अमले एवं स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के लिए श्रमदान का अभियान चलाया गया। अभियान में तालाब, परकोलेशन टेंक, कुएं एवं बावडियों की श्रमदान से साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य किया गया। विदिशा जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से आने वाली पीढ़ी को प्रचूर जल मात्रा व जल स्त्रोत की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए विशेष पहल की जा रही है। सिरोंज विधायक श्री उमाकांत शर्मा ने रविवार को ग्राम पगरानी के तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यो की शुरूआत करते हुए तालाब के जीर्णोद्धार की अलख जगाई हैं। उन्होंने गैंती फावडा से तालाब के गहरीकरण को मूर्तरूप देने के कार्य की शुरूआत की। विधायक श्री शर्मा की पहल पर स्थानीय ग्रामीणों ने श्रमदान में बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी निभाई और ग्राम के तालाब के जीर्णोद्धार, साफ सफाई जैसे कार्य अपने हाथों से करने की शपथ ली। विधायक श्री शर्मा ने इस दौरान विधायक निधि से पांच लाख रूपए की राशि देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इस राशि से पगरानी के तालाब का कायाकल्प और ऐसे छोटे बडे सभी कार्य पूरे किए जाएं। आवश्यकता पडती है तो राशि और उपलब्ध कराई जाएंगी। उमरिया जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लोगों में जल के प्रति जन जागरूकता लाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिले की विभिन्न स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है एवं बच्चों को जल संरक्षण करने का मूल मंत्र दिया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शासकीय हाई स्कूल में बच्चों के जल संरक्षण को लेकर नदी को जानो की थीम पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। शहडोल जिले में जल है प्रकृति का अमूल्य उपहार बचाओ इसे, यही है जीवन का आधार पर केन्द्रित करते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून 2025 तक चलाया जा रहा है। जनसामान्य को जल के एक एक बूंद को सहेजने के लिए संदेश दिया जा रहा है।

एक राष्ट्र-एक चुनाव' लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए क्रांतिकारी कदम है: रविन्द्र यति

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के भोपाल जिला अध्यक्ष श्री रविन्द्र यति ने शनिवार को भोपाल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित बैठक में शामिल होकर वन नेशन वन इलेक्शन में राष्ट्रपति जी के नाम समर्थन प्रस्ताव भेजा। इस अवसर पर जिला मंत्री राजकुमार विश्वकर्मा ने भी विस्तार से चर्चा की। भोपाल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा भोपाल के विभिन्न कोचिंग, कॉलेज एवं अन्य संस्थाओं में पहुंचकर 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। भोपाल जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति ने संबोधित करते हुए कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव भारत के लोकतंत्र को और अधिक सशक्त, सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। यह विचार न केवल हमारे देश की राजनीतिक प्रणाली को सरल बनाता है, बल्कि यह संसाधनों की बचत, प्रशासनिक दक्षता और विकास की गति को और आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। श्री यति ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए 7 राज्यों की विधानसभाएं भंग करके 'वन नेशन, वन इलेक्शन' करवाया था। आज वही कांग्रेस इसका विरोध कर रही है और इसे लोकतंत्र विरोधी बता रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने एक राष्ट्र-एक चुनाव के विचार को आगे बढ़ाया है, ताकि हमारा देश व्यर्थ खर्च, बार-बार की अस्थिरता, और नीतिगत रुकावटों से मुक्त हो सके। यह सिर्फ एक नीति नहीं, बल्कि सुशासन की प्रतिबद्धता और जनता की भावनाओं का सम्मान है। चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष तेजपाल सिंह कुलपाली ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' ऐसा कदम है, जो चुनाव प्रणाली में सुधार कर न सिर्फ लोकतंत्र में लोगों के भरोसे को बढ़ाएगा, बल्कि मतदाताओं को भी मतदान के लिए प्रोत्साहित कर समय, संसाधन और चुनाव खर्च में कटौती के साथ आर्थिक विकास को गति देगा और राजनीतिक दलों को सकारात्मक राजनीति के लिए प्रेरित करेगा। बैठक में चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष तेजपाल सिंह कुलपाली, अजय देवनानी, प्रवीण प्रेमचंद, मुकेश सहित संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कूनो के बाद गांधी सागर अभयारण्य में चीते भरने लगे फर्राटा, मुख्यमंत्री ने चीतों को खुले बाड़े में छोड़ा

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व मे विश्व का सबसे सफल चीता पुनर्वास अभियानः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मालवा क्षेत्र के मंदसौर में गाँधी सागर अभयारण्य की भूमि पर प्रभास और पावक चीतों को खुले बाड़े में छोड़ा। चीतों के फर्राटे के साथ 20 अप्रैल, रविवार का दिन मालवा की भूमि के लिए ऐतिहासिक दिवस के रूप मे दर्ज हो गया। देश में पहली बार अंतर्राज्यीय स्तर पर चीतों का पुनर्वास हुआ है। यह दोनों चीते आज श्योपुर कूनो से मंदसौर के गांधी सागर अभयारण्य पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह पूर्वक इन चीतों को खुले बाड़े में छोड़ा। यहां पर्याप्त संख्या में चीतल चिंकारा और छोटे जानवर हैं। दोनों 6 वर्षीय युवा चीते कूनो राष्ट्रीय उद्यान में खुले में ही घूम कर शिकार कर रहे थे। इसलिए इन्हें सीधे खुले बाड़े में छोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चीता प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व में सबसे अधिक सफल मध्यप्रदेश में हुआ है। पुनर्वास के बाद श्योपुर के कूनो में दुनिया में सबसे अधिक चीतों का जन्म हुआ है। मालवा की भूमि पर हम चीतों का स्वागत करते हैं। चीतों के आने से मंदसौर और नीमच जिलों मे पर्यटन की संभावनाओं को पंख लग जायेंगे। राजस्थान और मध्यप्रदेश के सीमावर्ती जिलों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे, उनके जीवन स्तर में भी सुधार होगा। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से अर्थव्यवस्था में भी सुधार होगा। वन्य पर्यावरण की दृष्टि से मध्यप्रदेश की धरा पर चीतों का सफलतापूर्वक पुनर्वास किया गया है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक अनिरुद्ध मारू, हरदीप सिंह डंग, पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्य नारायण जटिया, अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्नवाल, संभाग आयुक्त संजय गुप्ता और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी असीम श्रीवास्तव के साथ बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क से गांधीसागर अभयारण्य के लिए दो नर चीते प्रभास और पावक को 20 अप्रैल, रविवार की सुबह रवाना किया गया था। सीसीएफ उत्तम कुमार शर्मा और डॉक्टर ओंकार अचल सहित 20 लोगों की टीम चीतों के साथ गाँधी सागर अभयारण्य पहुंची। यह टीम गांधी सागर में 7 दिन रुकेगी। इस दौरान वह स्थानीय स्टाफ को चीतों की देख-रेख के गुर सिखाएगी। इन चीतों को अलग-अलग वाहनों में लाया गया है, जो श्योपुर, बारां, कोटा और झालावाड़ होते हुए मंदसौर पहुंचे। वाहन और पिंजरे को कूनो नेशनल पार्क में सैनिटाइज किया गया था। गांधी सागर अभयारण्य में 37 किमी का एक बाड़ा बनाया गया है। आपात स्थिति से निपटने के लिए इमरजेंसी सुविधाओं वाला वाहन और मेडिकल टीम भी साथ रहीद्य

मध्यप्रदेश के वन और वातावरण हैं चीतों के अनुकूल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के गांधी सागर अभयारण्य में चीतों के छोड़े जाने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गाँधी सागर अभयारण्य में 2 चीते छोड़े जाने का अवसर प्रसन्नता का विषय है। इस लुप्त प्रायः प्रजाति के वन्य प्राणी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से सितंबर 2022 में मध्यप्रदेश में पहली बार लाया गया था। अब इन चीतों का कुनबा बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदसौर जिले के गाँधी सागर अभयारण्य में 2 चीतों को छोड़ा जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। चीता प्रोजेक्ट मध्यप्रदेश की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य भारत में चीतों की संख्या बढ़ाना और उनकी प्रजाति को बचाना है। इसमें हमें सफलता भी मिल रही है। गाँधी सागर अभयारण्य प्रदेश का दूसरा ऐसा स्थान है, जहाँ चीतों को बसाया जा रहा है। वन्य जीव पर्यटन की दृष्टि से आज एक ऐतिहासिक दिन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चीतों की संख्या बढ़ाने के लिए दक्षिण अफ्रीका, केन्या और बोत्सवाना से चीतों को लाकर मध्यप्रदेश के जंगलों में बसाया जा रहा है। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में वर्तमान में 26 चीते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया के अन्य देशों में भी चीता पुनर्स्थापन के प्रयास हुए लेकिन उतनी सफलता नहीं मिल सकी।भारत में यह प्रोजेक्ट सफल हो रहा है। यहां चीतों की सर्वाइवल की दर अन्य देशों की अपेक्षा सर्वाधिक है। मध्यप्रदेश के वन और वातावरण चीतों के अनुकूल है। प्रदेश में कूनो के बाद गांधी सागर भी इनका घर बन रहा है। गाँधी सागर पश्चिमी मध्यप्रदेश में स्थित एक वन्य अभयारण्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अभयारण्य प्रदेश के उज्जैन संभाग में मंदसौर और नीमच जिले में फैला हुआ है। कई सौ साल पहले क्षेत्र में जरूर चीते रहे भी होंगे। विलुप्त होने के वर्षों बाद अब उनका पुनः आगमन वन्य जीव पर्यटन के लिए भी शुभ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी सागर अभयारण्य शैल चित्रों के लिए विश्व प्रसिद्ध चतुर्भुज नाला का हिस्सा है। निश्चित ही क्षेत्र में पर्यटन बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विरासत के संरक्षण के साथ-विकास के मंत्र पर मध्यप्रदेश कार्य कर रहा है।

मंदसौर और नीमच जिले में एक भी खेत नहीं रहेगा सिंचाई से वंचितः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने 785 करोड़ लागत के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमि-पूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मंदसौर और नीमच जिले के हर खेत को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश को दी गई दो बड़ी राष्ट्रीय नदी जोड़ों परियोजना से पूरा मालवा क्षेत्र भी लाभान्वित होगा। किसानों को सोलर पम्प देकर उन्हें बिजली बिल से मुक्ति दिलाई जायेगी। किसान अब खुद सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन करेंगे। अधिक बिजली उत्पादन होने की स्थिति में किसानों से सरकार बिजली भी खरीदेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को नीमच जिले के जावद में महर्षि सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 785 करोड़ रूपये की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया। साथ ही मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जावद में बने महर्षि सांदीपनि विद्यालय का भवन बहुत ही अद्भुत और सर्व सुविधा युक्त हैं। सांदीपनि विद्यालय परियोजना मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी विश्व-स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्रधानमंत्री श्री मोदी के विज़न के साथ प्रारंभ की गई है। सांदीपनि विद्यालयों में सर्व संसाधन युक्त अधोसंरचना विकसित की गई है। इस विद्यालय में 1 कि.मी. से 15 कि.मी. दूरी से आने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विषयवार शिक्षकों के साथ-साथ संगीत शिक्षक, नृत्य शिक्षक, कम्प्यूटर शिक्षक, खेल शिक्षक, मनोवैज्ञानिक, कॅरियर काउंसलर आदि भी नियुक्त किये गये है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुविधि रेयॉन्स प्राइवेट लिमिटेड का भूमि-पूजन किया। इस परियोजना से नीमच को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर टेक्सटाइल हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यह परियोजना 31 हेक्टेयर क्षेत्र में 350 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित की जाएगी, जिससे लगभग 2000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह इकाई फार्म टू फैशन की अवधारणा को रूप देगी, जिसमें कच्चे माल की खरीद किसानों से लेकर फिनिश्ड फैब्रिक तक की संपूर्ण प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संपन्न होगी। यह एक पूर्णतः एकीकृत टेक्सटाइल पार्क होगा, जिसमें 168 आधुनिक लूम्स, 30,000 स्पिंडल्स और तीन प्रोसेसिंग हाउस स्थापित किए जाएंगे। नीमच अब टेक्सटाइल क्षेत्र में नया इतिहास लिखने को तैयार है, जो मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर भारत के सपने की ओर अग्रसर करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि सुखानंद तीर्थ स्थल को धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनाया जाएगा। थड़ोद स्थित हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नयन किया जाएगा। सिंगोली स्थित स्वास्थ्य केंद्र का परीक्षण कर उन्नयन की कार्यवाही होगी। जावद में स्थित स्वास्थ्य केंद्र को 100 बिस्तरीय कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एशिया में चीते प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई है। मध्यप्रदेश ने इस प्रोजेक्ट में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। प्राणियों के लिए भी सरकार ने चिंता की है। चीते की मध्यप्रदेश में अच्छी ग्रोथ देखने को मिली है। गांधीसागर में वन्य प्राणियों से लोगों को रोजगार मिलेगा। पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इको सिस्टम अच्छा बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में 10वीं और 12वीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान किए।

सांसद श्री सुधीर गुप्ता ने कहा कि मध्यप्रदेश नई दिशा की तरफ आगे बढ़ रहा है। प्रत्येक सप्ताह कुछ न कुछ नया देखने को मिल रहा है। आज नागरिकों के लिए बहुत ही खुशियों का अवसर है। शिक्षा के क्षेत्र में भारी बदलाव हुए हैं। सनातन संस्कृति, कृषि, उद्योग, शिक्षा के लिए सरकार ने काम किया है। साइबर तहसील के माध्यम से सारे काम ऑनलाइन हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में रीजनल कॉन्क्लेव आयोजित किये गये। इसके साथ ही चीता आने से गांधी सागर अभयारण्य में पर्यटन की संभावना को नए पंख लगे हैं। पर्यटन का खजुराहो एक मार्ग था, अब दूसरा मार्ग नीमच से शुरू हुआ है। जवाद विधायक श्री ओमप्रकाश ने कहा कि जावद की विकास परंपरा हमेशा आगे बढ़ने की रही है। आज जीवन में सबसे बड़ी खुशी का अवसर है। नीमच में उद्योग के निवेश से रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ेगी। और यह सब सरकार की प्रयासों संभव हुआ है। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया, विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

जनकल्याण और सुशासन में दें योगदान मुख्यमंत्री ने मैदानी अधिकारियों को दिए निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनकल्याण के लिए अधिकारी मैदान में उतरें। नागरिकों को आवश्यक सेवाएं प्रदान कर, सुशासन की दिशा में अपना प्रभावी योगदान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शानिवार रात मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के कलेक्टर्स-कमिश्नर्स, एसपी, आईजी से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी जिलों में उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी कानून व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखें। पुलिस व्यवस्था चाक-चौबंद रहे। आमजन से अधिकारी-कर्मचारी का व्यवहार विनम्र और अच्छा हो। कार्यालयों में आने वाले नागरिक को समाधान प्राप्त हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खेतों में पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए जागरूकता बढ़ाई जाए। किसानों को सुपर सीडर और हैप्पी सीडर जैसे उपकरण अधिक संख्या में उपलब्ध करवाए जाएं। इससे किसानों को पराली जलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और उनका समय भी बचेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों को ग्रीष्मकाल में स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए आवश्यक प्रचार-प्रसार किया जाए। आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहें। बाजार में संक्रमित फल न बिकें, उस पर नजर रखी जाए। सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों और संभागों में सभी अधिकारी पारदर्शिता, नवाचार, परिश्रम से कार्य करते हुए नागरिकों को लाभान्वित करने के लिए सक्रिय रहें। वीसी में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दुर्व्यवहार पर चिकित्सा अधिकारी व रेडक्रॉस कर्मी को सेवा से हटाया

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जिला चिकित्सालय छतरपुर में 77 वर्षीय श्री उद्धवलाल जोशी एवं उनकी पत्नी के साथ हुई घटना को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए दोषियों पर त्वरित एवं कठोर कार्रवाई के निर्देश दिये हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि छतरपुर जिला चिकित्सालय में बुजुर्ग दंपत्ति के साथ हुई अमानवीय घटना अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार मरीजों के साथ संवेदनशील, सम्मानजनक और गरिमामय व्यवहार को स्वास्थ्य सेवाओं की प्राथमिक शर्त मानती है। इस तरह की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मामले में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उक्त के अनुक्रम में दोषियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अस्पतालों को सेवा, सहानुभूति और संवेदना के केंद्र के रूप में कार्य करना चाहिए। सभी स्वास्थ्यकर्मियों से अपेक्षा है कि वे मरीजों के साथ मानवीय मूल्यों के अनुरूप व्यवहार करें। हम ऐसे वातावरण का निर्माण कर रहे हैं जहाँ मरीजों को सुरक्षा, सम्मान और करुणा मिले यही हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था की बुनियाद है। उल्लेखनीय है कि 17 अप्रैल 2025 को जिला चिकित्सालय छतरपुर में 77 वर्षीय श्री उद्धवलाल जोशी एवं उनकी पत्नी के साथ अभद्रता एवं दुर्व्यवहार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गयी है। घटना की जांच तीन सदस्यीय समिति द्वारा की गई, जिसमें संविदा स्नातकोत्तर चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश कुमार मिश्रा द्वारा बुजुर्ग को अस्पताल परिसर में घसीटने एवं दुर्व्यवहार करना प्रमाणित पाया गया। डॉ. मिश्रा का आचरण राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मानव संसाधन मैनुअल-2025 के प्रावधानों के विपरीत पाया गया। उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना ने उनका संविदा अनुबंध तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है। उक्त प्रकरण में लिप्त रेडक्रॉसकर्मी राघवेन्द्र खरे को भी दोषी पाया गया। उनका प्रति उत्तर असंतोषजनक पाए जाने के कारण, उन्हें भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छतरपुर की सेवाओं से तत्काल प्रभाव से पृथक कर दिया गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियानः प्राथमिकता से हो रहे जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन कार्य में प्राथमिकता में किये जा रहे है। जनसामान्य को जल संरचनाओं के संरक्षण किये जाने की शपथ भी दिलाई जा रही है। बच्चों को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जल के महत्व, जलवायु परिवर्तन के दुषप्रभाव और पौधरोपण के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है। राजगढ़ जिले मेंजल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में एक-एक जल संरचना का जीर्णोद्धार कर उनमें बरसात के एवं सतही पानी को सहेजने की कवायद की जा रही है। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा इस कार्य में व्यक्तिगत रूचि ले रहे हैं। कलेक्टर के निर्देश पर रविवार को जिले के 25 गांवों में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा उनके अधीनस्थ अमले, ग्रामीण क्षेत्र में पदस्थ अमले एवं स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के लिए श्रमदान का अभियान चलाया गया। अभियान में तालाब, परकोलेशन टेंक, कुएं एवं बावडियों की श्रमदान से साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य किया गया। विदिशा जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से आने वाली पीढ़ी को प्रचूर जल मात्रा व जल स्त्रोत की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए विशेष पहल की जा रही है। सिरोंज विधायक श्री उमाकांत शर्मा ने रविवार को ग्राम पगरानी के तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यो की शुरूआत करते हुए तालाब के जीर्णोद्धार की अलख जगाई हैं। उन्होंने गैंती फावडा से तालाब के गहरीकरण को मूर्तरूप देने के कार्य की शुरूआत की। विधायक श्री शर्मा की पहल पर स्थानीय ग्रामीणों ने श्रमदान में बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी निभाई और ग्राम के तालाब के जीर्णोद्धार, साफ सफाई जैसे कार्य अपने हाथों से करने की शपथ ली। विधायक श्री शर्मा ने इस दौरान विधायक निधि से पांच लाख रूपए की राशि देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इस राशि से पगरानी के तालाब का कायाकल्प और ऐसे छोटे बडे सभी कार्य पूरे किए जाएं। आवश्यकता पडती है तो राशि और उपलब्ध कराई जाएंगी। उमरिया जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लोगों में जल के प्रति जन जागरूकता लाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिले की विभिन्न स्कूलों में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है एवं बच्चों को जल संरक्षण करने का मूल मंत्र दिया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शासकीय हाई स्कूल में बच्चों के जल संरक्षण को लेकर नदी को जानो की थीम पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। शहडोल जिले में जल है प्रकृति का अमूल्य उपहार बचाओ इसे, यही है जीवन का आधार पर केन्द्रित करते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून 2025 तक चलाया जा रहा है। जनसामान्य को जल के एक एक बूंद को सहेजने के लिए संदेश दिया जा रहा है। जिले के जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पड़मनियां के बड़का तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल के एक एक बूंद को सहेजने के लिए सफाई कार्य तथा तालाब के किनारे से

गाद भी निकाली गई। सीहोर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान में नागरिकों को को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, ग्राम सभाएं, कलश यात्राएं सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत जिले के अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है। बालाघाट में जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्राणेष कुमार प्राण के मुख्य आतिथ्य में जिला न्यायालय परिसर बालाघाट में पंच-ज अभियान अंतर्गत पक्षियों के पानी पीने के लिए मिट्टी के सकोरे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित किया गया। साथ ही बताया गया कि पक्षियों के लिए पानी के सकोरे लगाना एक सरल लेकिन प्रभावी तरीका है। जिससे पर्यावरण को संरक्षित किया जा सकता है। यह न केवल पक्षियों को प्यास बुझाने में मदद करता है, बल्कि जैव विविधता को बढ़ावा देता है, और पक्षियों के संरक्षण में मदद करता है।

सिंगरौली जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाकर जल संरचनाओं जिनमें ताबाल, बाबड़ियो, नदियो की साफ सफाई कर उनको नया स्वरूप दिया जा रहा है। जिले में नवीन जल संरचनाओं का निर्माण भी कराया जा रहा है। इसके साथ आम लोगो को रूफ वाटर हर्वेस्टिंग, हैन्डो पम्पो के समीप सोकपिट आदि का निर्माण कराने के लिये प्रेरित भी किया जा रहा है।

संपादकीय

शिक्षा: डमी एडमिशन के इस खेल में चांदी ही चांदी है

आखिर क्यों कोचिंग सेंटर की क्लास में स्कूली शिक्षा ही नहीं, पूरी पाठशाला पहुंच गई। अब शिक्षा की काबिलीयत में 'डमी एडमिशन' का फार्मूला ईजाद हो गया है। यानी 'दस्तखत पर चढ़ी सियाही ही फरेबी निकली, हमने तो पूरी जिंदगी लगा के मजमून लिखा था।' शिकायतें अब कहीं जाकर स्कूल बोर्ड के कानों में गूंजी, तो मालूम हुआ कि चंडीगढ़ में क्यों हिमाचली छात्र भागे-भागे घूम रहे हैं। शिक्षा की औकात बदलने की जद्दोजहद अगर स्कूल की नीयत में नहीं, तो कम से कम जो बच्चे करियर की तलाश में आगे बढ़ना चाहते हैं, उनके ऊपर नकेल क्यों। एक अनुमान के अनुसार चंडीगढ़ की कोचिंग में दस हजार से ऊपर हिमाचली बच्चे अपना मुस्तकबिल छान रहे हैं। इनमें से अस्सी फीसदी भी अगर स्कूली छात्र हैं, तो 'डमी एडमिशन' के इस खेल में चांदी ही चांदी है। शिक्षा में चांदनी की तलाश के पहिये अगर प्रदेश के बाहर घूम रहे हैं, तो शिक्षा बोर्ड बचाएगा किसे। क्या इससे स्कूल बच जाएंगे या निजी क्षेत्र की जमीन पर शिक्षा का व्यापार नहीं होगा। शिक्षा में घुसे व्यापार को सामाजिक अनुमति का ही प्रमाण मिला है कि चंडीगढ़-हिमाचल के बीच इसकी दोहरी प्रणाली ने प्रदेश से शिक्षा का विस्थापन लिख दिया। मसला है भी यह कि क्यों धीरे-धीरे सरक कर हिमाचली शिक्षा ने उसूल बदल लिए, मां-बाप ने 'डमी एडमिशन' जैसा पाप कबूल कर लिया। क्या उनके पास और कोई चारा नहीं या शिक्षा का अचार अब आयातित सामग्री से ही बनता है। इससे शिक्षा बोर्ड को अगर कांटा लगा, तो जख्म सुखाने के लिए मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों का उपचार जरूरी है। नहीं होने चाहिएं अवैध धंधे, लेकिन पूछा तो यह भी जाएगा कि वार्षिक परीक्षाओं में विभागीय लियाकत क्यों दर्ज नहीं होती। निजी बनाम सरकारी स्कूलों के बीच आखिर इतनी मिट्टी क्यों पलीद हुई कि शिक्षा के कई शिविर, कई तरीके और कई अफसाने बन गए। अंततः लक्ष्य तो जीवन का है, तो क्या हिमाचली शिक्षा 'जीवन पढ़ाने' या जीवन में आगे बढ़ाने का इंतजाम कर रही है। आज अगर करियर का गुणात्मक पक्ष देखना हो, तो क्या हिमाचल का शिक्षा विभाग या बोर्ड किसी सरकारी स्कूल का पता देगा। हम 'डमी एडमिशन' के खिलाफ अभियान के साथ हैं, लेकिन हिमाचली बच्चों के करियर की तलाश से दूर कैसे हो सकते हैं। अंततः कोचिंग सेंटर अब एक संस्कृति, एक तरीका, एक पायदान और करियर की महत्वाकांक्षा का जरिया कैसे बन गए। क्यों पढ़ाई सरकारी स्कूलों में मुकम्मल नहीं हो रही या यह छूट अभिभावकों को कैसे मिल गई कि बच्चों के अंधेरों को मिटाकर अगर रोशनी की तलाश है, तो एक हाथ कोचिंग, दूसरे में 'डमी एडमिशन' का बंदोबस्त जरूरी है। हम इसे अभिभावकों की भेड़चाल करार दें या निजी स्कूलों व कोचिंग केंद्रों की अवैध संलिप्तता मानें, मगर शिक्षा की ऐसी परिणति के लिए सरकारी क्लास रूम की विफलता भी तो माननी पड़ेगी। यह हालत एक दिन में नहीं हुई, बल्कि जब इसकी शुरुआत हुई, तो शिक्षा को चलाने वाले अनभिज्ञ बने रहे। शिक्षा का गुणात्मक पक्ष किसकी वजह से हारा, इस पर भी तो बहस हो। आखिर शिक्षा का अपना मॉडल है क्या। यह क्यों सरकारी और निजी परिसर में अलग-अलग दिखाई दे रहा। जहां तक स्कूल शिक्षा बोर्ड का सवाल है, यह संस्थान परीक्षा बोर्ड ही साबित हुआ है। जाहिर है दसवीं की परीक्षा के बाद बारहवीं में कदम रखते ही जिंदगी में आगे बढ़ने के संकल्प और भविष्य के पन्ने खुल जाते हैं। ऐसे में आगे प्रोफेशनल कालेजों की प्रवेश परीक्षाओं और जमा दो की आम परीक्षाओं के बीच सपनों और हकीकत के बीच एक अंतरंगी संसार का उदय होता है। इन क्षणों का दबाव क्या हिमाचल के शिक्षा विभाग व बोर्ड ने महसूस किया। अगर स्कूल शिक्षा बोर्ड को इस कसौटी पर उत्तीर्ण घोषित होना है, तो सर्वप्रथम कुछ मॉडल स्कूल बनाकर करियर की तैयारी में, स्कूल के अंतिम दो सालों में सार्थक ऊर्जा का संचार करे। मैट्रिक परीक्षा के बाद शिक्षा की करवट, करियर की तलाश तक जारी रहती है। क्यों न मैट्रिक के बाद मैरिट के आधार पर पांच हजार बच्चों की हौसला अफजाई और जमा दो स्कूलों की जवाबदेही में कुछ नया खाका बुना जाए। स्कूल शिक्षा बोर्ड तथा विभाग मिलकर कम से कम पांच हजार बच्चों की मैरिट को करियर तक बढ़ाने के लिए नए प्रयोग, आश्वासन व अभिभावकों का भरोसा अर्जित करने का कोई नया रास्ता चुनें।

कपड़ों से पहचानवाया श्मशान-कब्रिस्तान और अब पंक्चर बनाने तक पहुंचा गया है राजनैतिक विमर्श

तनवीर जाफरी

भारतीय जनता पार्टी के बड़े से लेकर छोटे नेता तक जब कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक रूप से नाम लेते हैं तो उनके नाम के साथ यशस्वी शब्द ज़रूर लगाते हैं। देश को इसके पहले लंबे समय तक शासन करने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू व इंदिरा गाँधी जैसे प्रधानमंत्री भी मिले। परन्तु उनके नाम के साथ यशस्वी शब्द कम से कम स्थाई रूप से इसतरह चिपका हुआ नहीं देखा गया। बजाये इसके वर्तमान यशस्वी प्रधानमंत्री को कांग्रेस की सरकारों विशेषकर पंडित नेहरू की विभिन्न अवसरों पर आलोचना करते हुये ज़रूर देखा गया। निश्चित रूप से अपने समर्थकों की नज़रों में नरेंद्र मोदी यशस्वी प्रतापी,महान,हिन्दू हृदय सम्राट कुछ भी हो सकते हैं। परन्तु देश का निष्पक्ष नागरिक जब यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना कांग्रेस के ही उन पूर्व प्रधान मंत्रियों से करता है जिसकी मोदी आलोचना करते हैं तो निश्चित रूप से वह पंडित नेहरू व इंदिरा गाँधी के सार्वजनिक भाषणों की भी तुलना यशस्वी प्रधानमंत्री के भाषणों व उसके मुख्य मुख्य अंशों से ज़रूर करना चाहता है। और यह भी जानना चाहता है कि मात्र बहुसंख्य वोट हासिल करने के लिये क्या कभी इन पूर्व प्रधानमंत्रियों द्वारा भी ऐसी शब्दावलियों का प्रयोग किया गया जैसी कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा बार बार की जाती है ? क्या इसतरह के भाषण और इस स्तर की भाषा ही हमारे प्रधानमंत्री को यशस्वी प्रधानमंत्री बनाती है ?

पिछले दिनों देश के यही यशस्वी प्रधानमंत्री हरियाणा के हिसार पधारे। यहाँ एक जनसभा में वक़्फ़ कानून का ज़िक्र करते करते कुछ ऐसे शब्द उनके मुंह से निकले जिससे उनका यश रातोंरात चौगुना हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यहाँ भी अपनी प्रिय पंच लाइन तो दोहराई ही कि कांग्रेस पार्टी वक़्फ़ को लेकर तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। साथ ही उन्होंने यह भी कह डाला कि- वक़्फ़ की संपत्ति का अगर ईमानदारी से उपयोग हुआ होता तो मुसलमान नौजवानों को साइकिल का पंक्चर बनाकर ज़िंदगी नहीं गुज़ारनी पड़ती। इत्तेफ़ाक़ से जिसदिन प्रधानमंत्री अपने इस बेशक़ीमती वचनों के द्वारा समुदाय विशेष के युवाओं को पंक्चर बनाने वाला युवा बता रहे थे उसी दिन संविधान निर्माता बाबासाहेब की जयंती भी थी। इस बेशक़ीमती वाक्य के उनके मुंह से निकलते ही यशस्वी प्रधानमंत्री को लोगों ने ख़ासकर विपक्ष ने आईना दिखाना शुरू कर दिया।

जो प्रधानमंत्री देश के युवाओं को पकौड़ा बेचने की सलाह देते थे वही पंक्चर जैसे व्यवसाय का मज़ाक़ उड़ाते दिखाई दिये? यहाँ यह याद दिलाना ज़रूरी है कि आज की मंहगाई के समय में पंक्चर बनाने का व्यवसाय शुरू करना भी आसान नहीं है। लाखों रूपये,उपयुक्त स्थान,बिजली,एयर कम्प्रेसर,भरपूर मेहनत और भी बहुत कुछ कुछ चाहिये पंक्चर का व्यवसाय शुरू करने के लिये। वैसे भी यह रोज़गार भीख मांगने या खंजरी बजाने से तो कहीं बेहतर और इज़्ज़त वाला कारोबार है साथ ही यह वाहन

चालकों को बड़ी राहत पहुँचाने वाला व्यवसाय है। याद कीजिये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने कुछ वर्ष पूर्व इंदौर में एक कार्यक्रम में कहा था कि 'भीख मांगना भी देश के 20 करोड़ लोगों का रोज़गार है, जिन्हें किसी ने रोज़गार नहीं दिया उन लोगों को धर्म में रोज़गार मिलता है, जिस परिवार में पांच पैसे की कमाई भी न हो उस परिवार का दिव्यांग और दूसरे सदस्य धार्मिक स्थलों में भीख मांगकर परिवार का गुज़ारा करता है, ये छोटा काम नहीं है।÷ ज़रा सोचिये जब संघ के वरिष्ठ नेता को भीख मांगना तक भी छोटा काम नहीं लगता तो संघ प्रशिक्षित यशस्वी प्रधानमंत्री को पंक्चर बनाना जैसा अहम व्यवसाय तुच्छ व्यवसाय कैसे नज़र आ गया ?

इसी तरह संघ प्रशिक्षित व उत्तर प्रदेश के एक प्रसिद्ध विश्वविद्यालय के उप कुलपति राजाराम यादव ने भी अपने एक व्याख्यान में भीख मांगने को न केवल सही ठहराया था बल्कि इसे प्रोत्साहन भी दिया था। उन्होंने बताया था कि अपने छात्र जीवन में जब वे ट्रेन से स्कूल जाते थे उस समय एक अंधा भिखारी डफ़ली बजा कर एक दिन में एक से दूसरे स्टेशन के बीच में 2 दिन की ज़रूरत भर की कमाई कर लेता था। आज दुनिया में भारत में बेरोज़गारी का हव्वा खड़ा करके देश को बदनाम किया जा रहा है%। उसी समय उन्होंने छात्रों को सम्बोधित करते हुये यह तक कह दिया था कि %अगर किसी के पास डफ़ली ख़रीदने के पैसे ना हों तो उनको विश्वविद्यालय डफ़ली ख़रीद कर दे देगा । वैसे तो प्रधानमंत्री भी अपने साक्षात्कार में अपने ही लिये 25-30 वर्षों तक भीख मांगने की बात कर चुके हैं। फिर आख़िर पंक्चर बनाने जैसा परिश्रम करने वाला स्वाभिमानी व्यवसाय तुच्छ या निकृष्ट अथवा हीन व्यवसाय कैसे और क्योंकर हो गया ?

यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता सिर्फ़ पंक्चर ज्ञान तक ही सीमित नहीं है बल्कि कभी वे यह ज्ञान भी देते हैं कि उपद्रवियों की पहचान उनके कपड़ों से ही पता चल जाती है। और कभी साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की ख़ातिर उन्हें यह कहने में भी कोई हिचक नहीं होती कि -% अगर रमज़ान में बिजली आती है तो दीवाली में भी आनी चाहिए। अगर क़ब्रिस्तान के चारों तरफ़ दीवार बनती है तो श्मशान भी वैसा ही होना चाहिए। % मुझे तो नहीं याद कि पंडित नेहरू व इंदिरा गाँधी जैसे प्रधानमंत्रियों ने भी कभी इसतरह की भाषा का प्रयोग किया हो जोकि आज के युग के यशस्वी प्रधानमंत्री द्वारा की जा रही है। आख़िर विपक्षी नेताओं द्वारा क्यों आज प्रधानमंत्री को दो रूपये के ट्रोल्स की भाषा का प्रयोग करने वाला प्रधानमंत्री कहा जाने लगा है ? ज़ाहिर है इसकी वजह यही है कि दुर्भाग्यवश अब राजनैतिक विमर्श का स्तर कपड़ों से पहचान वाया शमशान-क़ब्रिस्तान होते हुये अब पंक्चर तक पहुँच चुका है।

रूस में एक शादी

सुधा मूर्ति

हाल ही में मैं मॉस्को, रूस में थी।

जिस दिन मैं पार्क गई, वह रविवार था। हल्की बारिश हो रही थी और मौसम ठंडा था, जबकि गर्मी का मौसम था।

मैं एक छाते के नीचे खड़ी होकर उस स्थान की सुंदरता का आनंद ले रही थी... तभी अचानक मेरी नजर एक युवक-युवती पर पड़ी।

स्पष्ट था कि वे अभी-अभी शादी करके आए थे।

लड़की करीब 25 साल की, पतली-दुबली, सुनहरे बालों और चमकती नीली आंखों वाली – बेहद सुंदर।

लड़का भी लगभग उसकी ही उम्र का, बेहद आकर्षक और सैन्य वर्दी में था।

दुल्हन ने सफेद साटन की एक सुंदर पोशाक पहनी थी, जिसे मोतियों और सुंदर लेस से सजाया गया था।

दो छोटी ब्राइड्समेड्स (सहेलियाँ) उसके पीछे खड़ी थीं, जो उसकी ड्रेस का किनारा उठाए हुए थीं ताकि वह गंदी न हो जाए।

एक छोटा लड़का उनके सिर पर छाता पकड़े खड़ा था, ताकि वे भीग न जाएँ।

लड़की के हाथ में फूलों का गुलदस्ता था और दोनों एक-दूसरे का हाथ थामे खड़े थे।

दृश्य अत्यंत मनमोहक था। मैं सोचने लगी – बारिश में वे यहाँ पार्क क्यों आए हैं? शादी के बाद तो कोई उत्सव मनाने किसी और जगह जाता है!

मैंने देखा कि वे दोनों पास के युद्ध स्मारक की ओर बढ़े, फूलों का गुलदस्ता वहाँ अर्पित किया, सिर झुकाकर मौन श्रद्धांजलि दी, और फिर धीरे-धीरे लौट आए।

अब मेरी जिज्ञासा और बढ़ गई।

उनके साथ एक वृद्ध सज्जन खड़े थे। उन्होंने मेरी साड़ी देखकर पूछा,

क्या आप भारतीय हैं?

मैंने कहा, हाँ, मैं भारत से हूँ।

हम दोनों में मित्रतापूर्वक बातचीत होने लगी। मैंने मौके का फायदा उठाते हुए प्रश्न पूछे।

आपको अंग्रेज़ी कैसे आती है?

मैं विदेश में काम करता था, उन्होंने जवाब दिया।

मैंने पूछा,

ये नवविवाहित जोड़ा शादी के तुरंत बाद बारिश में यहाँ युद्ध स्मारक क्यों आया?

वह बोले,यह रूस की परंपरा है। शादी आमतौर पर शनिवार या रविवार को होती है। मौसम चाहे जैसा भी हो – शादी के रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने के बाद – नवविवाहित जोड़े को नजदीकी राष्ट्रीय स्मारक पर जाना ही होता है।

हर युवक को यहाँ सेना में कम से कम दो साल सेवा देना अनिवार्य होता है। और शादी के दिन, चाहे वह किसी भी पद पर हो, उसे अपनी सेना की वर्दी में ही शादी करनी होती है।

मैंने पूछा, क्यों?

वे बोले यह कृतज्ञता का प्रतीक है।हमारे पूर्वजों ने रूस के विभिन्न युद्धों में अपने प्राणों की आहुति दी है – कुछ युद्ध हमने जीते, कुछ हारे – लेकिन उनका बलिदान हमेशा राष्ट्र के लिए था।

नवविवाहित जोड़े को यह याद दिलाना ज़रूरी है कि वे आज जिस स्वतंत्र और शांतिपूर्ण रूस में जी रहे हैं, वह इन्हीं बलिदानों की वजह से संभव है।

उन्हें उनके आशीर्वाद लेने चाहिए।

राष्ट्र के प्रति प्रेम, शादी की खुशी से भी बड़ा है।

हम बुज़ुर्ग लोग इस परंपरा को जारी रखने पर जोर देते हैं – चाहे वो मॉस्को हो, सेंट पीटर्सबर्ग हो या रूस का कोई और शहर।

शादी के दिन, युद्ध स्मारक पर जाना अनिवार्य है।इस बात ने मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया कि हम अपने बच्चों को क्या सिखा रहे हैं...?

क्या हम भारतीय, अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण दिन पर अपने शहीदों को याद करते हैं?

हम तो साड़ियों की खरीदारी, गहनों का चुनाव, बड़े-बड़े मेनू और डिस्को पार्टियों की तैयारियों में ही व्यस्त रहते हैं...

मेरी आंखें भर आई...काश ! हम भारतीय भी रूसियों से यह महान परंपरा और भाव सीख सकें।काश हम भी उन शहीदों को सम्मान दे सकें जिन्होंने हमारे आज और कल के लिए अपने प्राण त्याग दिए...

अपराध के नज़दीक साइबर प्रेम

राकेश दुबे

और इस डिजिटल युग में इंटरनेट ने प्रेम संबंधों को भी सोशल मीडिया, डेटिंग ऐप्स और ऑनलाइन चैट के माध्यम से बने रिश्ते, जो कभी प्यार और विश्वास के वादों से भरे होते थे, जो अब अक्सर धोखाधड़ी, उत्पीड़न और यहां तक कि हत्या के खूनी अंत में बदल रहे हैं।

ऑनलाइन डेटिंग और सोशल मीडिया के माध्यम से शुरू हुए रिश्ते कई बार खतरनाक मोड़ ले लेते हैं। श्रद्धा वालकर और हिमानी नरवाल जैसे मामलों में, ऑनलाइन शुरू हुए रिश्ते लिव-इन रिलेशनशिप और हत्या में बदल गए। इसी तरह, केरल, चंडीगढ़, मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु में 2019 से 2023 के बीच हुई घटनाओं में, महिलाओं को ऑनलाइन मिले व्यक्तियों द्वारा हत्या, धोखाधड़ी, बलात्कार और ब्लैकमेलिंग का शिकार होना पड़ा।

ये घटनाएं सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं हैं, बल्कि ये हमारे समाज के लिए एक चेतावनी हैं।

साइबर लव, ऑनलाइन माध्यमों जैसे सोशल मीडिया, डेटिंग ऐप्स और ईमेल के जरिए रोमांटिक रिश्ते बनाने की प्रक्रिया है। यह रिश्ते अक्सर शुरुआत में बहुत ही आकर्षक और रोमांचक लगते हैं, क्योंकि लोग अपनी ऑनलाइन पहचान को अपनी इच्छानुसार बना सकते हैं। यह नए रिश्ते बनाने के अवसर तो प्रदान करता है, लेकिन इसके साथ ही कानूनी चुनौतियां भी उत्पन्न हो रही हैं, जैसे कि ऑनलाइन धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, साइबर स्टॉकिंग और अश्लील सामग्री का प्रसार,।साइबर लव सिर्फ ऑनलाइन डेटिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें ऑनलाइन गेमिंग और वर्चुअल रियलिटी प्लेटफॉर्म भी शामिल हो गए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके 'डीपफ़ेक' वीडियो और ऑडियो बनाए जा रहे हैं, जिनसे ऑनलाइन रिश्तों में धोखा और भी आसान हो गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके 'डीपफ़ेक' वीडियो और ऑडियो बनाना बहुत आसान हो गया है। इसका मतलब है कि कोई भी आपकी आवाज या चेहरे का उपयोग करके नकली वीडियो या ऑडियो बना सकता है। कुछ साइबर अपराधी 'लव बॉम्बिंग' नामक तकनीक का उपयोग करते हैं, जिसमें वे आपको बहुत जल्दी प्यार और ध्यान से भर देते हैं। यह आपको कमजोर बना सकता है और आपको उनके नियंत्रण में ला सकता है।

केटफिशिंग, जिसमें ऑनलाइन नकली पहचान बनाकर दूसरों को धोखा दिया जाता है, एक गंभीर समस्या है जो पीड़ितों को भावनात्मक और आर्थिक रूप से तबाह कर सकती है। किसी की निजी जानकारी या तस्वीरों को उसकी अनुमति के बिना ऑनलाइन साझा करना गोपनीयता का उल्लंघन है। जब कोई व्यक्ति ऑनलाइन किसी दूसरे व्यक्ति का पीछा करता है, उसे परेशान करता है, या उसे धमकी देता है, तो यह साइबर स्टॉकिंग या उत्पीड़न माना जाता है। यह ईमेल, सोशल मीडिया या अन्य ऑनलाइन माध्यमों से किया जा सकता है। साइबर लव के मामलों में, जब रिश्ते खराब हो जाते हैं, तो यह ऑनलाइन उत्पीड़न का कारण बन सकता है। केटफिशिंग और साइबर अपराधों के ये रूप, जब अनियंत्रित हो जाते हैं, तो साइबर मर्डर की खतरनाक रेखा को पार कर सकते हैं। साइबर हत्या, एक उभरता हुआ मुद्दा है जो पारंपरिक आपराधिक कानूनों के दायरे में आता है।

मानव सभ्यता को बचाने के लिए पृथ्वी संरक्षण जरूरी

ललित गर्ग

प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जलवायु परिवर्तन से निपटने और जैव विविधता संकट को रोकने के लिए कार्रवाई का एक क्रांतिकारी आह्वान है पृथ्वी दिवस जो पूरे विश्व में 22 अप्रैल को मनाया जाता है। पृथ्वी या सृष्टि के संरक्षण और स्थिरता के लिए जागरूकता पैदा करना इसलिये आवश्यक हो गया कि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और वनों की कटाई के कारण प्रकृति एवं पर्यावरण पर गहरे संकट है। वर्ष 2025 में इस दिवस की थीम है 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह', जो यह स्पष्ट करता है कि जलवायु परिवर्तन और हमारे पर्यावरण के दुरुपयोग से निपटने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा की तत्काल आवश्यकता है। हमारे स्वास्थ्य, हमारे परिवारों, हमारी आजीविका और हमारी धरती को एक साथ संरक्षित करने का समय आ गया है। पृथ्वी दिवस आधुनिक पर्यावरण आंदोलन की वर्षगांठ का प्रतीक है, जो पहली बार सन् 1970 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील एवं पृथ्वी के संरक्षण के लिये जागरूक करना है। दुनिया में पृथ्वी के विनाश, प्रकृति प्रदूषण एवं जैविक संकट को लेकर काफी चर्चा हो रही है।

190 से अधिक देशों को पृथ्वी दिवस में शामिल करते हुए एक वैश्विक आंदोलन बन गया है जो प्लास्टिक प्रदूषण, नवीकरणीय संसाधन, ग्लोबल वार्मिंग और टिकाऊ जीवन जैसी प्रमुख पर्यावरणीय चिंताओं की ओर ध्यान आकर्षित करता है। वृक्षारोपण, सफाई अभियान, शैक्षिक अभियान और वकालत वैश्विक स्तर पर सरकारों, संगठनों, स्कूलों और समुदायों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों में से हैं। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण की दृष्टि से अधिक सही निर्णय लेने तथा पृथ्वी के अनुकूल नीतियों के पक्ष में ख?ा करता है और इस बात पर जोर देता है कि आपकी उम्र चाहे जो भी हो या आप कहीं भी रहते हों, आप पृथ्वी को अधिक स्वस्थ और टिकाऊ बनाने में योगदान दे सकते हैं और ऐसा करते हुए शांति की स्थापना एवं शांतिपूर्ण जीवन को सुदृ? बना सकते हैं। इस दिवस के माध्यम से ऐसे विचारों एवं जीवनशैली को संगठित करना है जिससे पर्यावरण नीति निर्माता सरकारों को प्रेरित करें ताकि पर्यावरणीय स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए कानूनों और प्रथाओं में बदलाव हो सके एवं वैज्ञानिक नवाचारों और हरित प्रौद्योगिकियों के विचार को बल देते हुए पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करने और भविष्य में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा सके।

आज विश्व भर में हर जगह प्रकृति का दोहन एवं शोषण जारी है। जिसके कारण पृथ्वी पर अक्सर उत्तरी ध्रूव की ठोस बर्फ का कई किलोमीटर तक पिघलना, सूर्य की पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकने वाली ओजोन परत में छेद होना, भयंकर तूफान, सुनामी और भी कई प्राकृतिक आपदाओं का होना आदि ज्वलंत समस्याएं विकराल होती जा रही है, जिसके लिए मनुष्य ही जिम्मेदार हैं। ग्लोबल वार्मिंग के रूप में जो आज हमारे सामने हैं। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। जीव-जन्तु अंधे हो जाएंगे। लोगों की त्वचा झुलसने लगेगी और कैंसर रोगियों की संख्या ब? जाएगी एवं अनेक नयी-नयी व्याधियां रह-रहकर जीवन संकट का कारण बनती रहेगी। इसीलिये विश्व पृथ्वी दिवस की आज ज्यादा प्रासंगिकता एवं उपयोगिता है। यह दीर्घकालिक परिवर्तन को संभव बनाने की दिशा में काम करेगा क्योंकि यह पर्यावरण जागरूकता की संस्कृति को विकसित करता है और वर्तमान और भविष्य की पी?ियों को पृथ्वी का सक्रिय संरक्षक बनने के लिए सशक्त बनाता है।

जिस पृथ्वी को हम माँ का दर्जा देते हैं उसे हम खुद अपने ही हाथों दूषित करने में कैसे लगे रहते हैं? आज जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के लिए सबसे ब?ा संकट बन गया है। अगर पृथ्वी के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाए तो मानव जीवन कैसे सुरक्षित एवं संरक्षित रहेगा? पृथ्वी है तो सारे तत्व हैं, इसलिये पृथ्वी अनमोल तत्व है। इसी पर आकाश है, जल, अग्नि, और हवा है। इन सबके मेल से प्रकृति की संरचना सुन्दर

एवं जीवनमय होती है। अपने-अपने स्वार्थ के लिए पृथ्वी पर अत्याचार रोकना होगा और कार्बन उत्सर्जन में कटौती पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अतिशयोक्तिपूर्ण ढ़ंग से औद्योगिक क्रांति पर नियंत्रण करना होगा, क्योंकि उन्हीं के कारण कार्बन उत्सर्जन और दूसरी तरह के प्रदूषण में ब?ोतरी हुई है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कई प्रजाति के जीव-जंतु, प्राकृतिक स्रोत एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं, जिससे पृथ्वी असंतुलित हो रही है। विलुप्त होते जीव-जंतु और वनस्पति की रक्षा के लिये विश्व-समुदाय को जागरूक करने के लिये ही इस दिवस को मनाया जाता है।

आज चिन्तन का विषय न तो रूस-यूक्रेन युद्ध है, न अमेरिका का टैरिफ वार है और न मानव अधिकार, न कोई विश्व की राजनैतिक घटना और न ही किसी देश की रक्षा का मामला है। चिन्तन एवं चिन्ता का एक ही मामला है लगातार विकराल एवं भीषण आकार ले रही गर्मी, सिकु? रहे जलस्रोत, विनाश की ओर धकेली जा रही पृथ्वी एवं प्रकृति के विनाश के प्रयास। ब?ती जनसंख्या, ब?ता प्रदूषण, नष्ट होता पर्यावरण, दूषित गैसों से छिद्रित होती ओजोन की ढाल, प्रकृति एवं पर्यावरण का अत्यधिक दोहन- ये सब पृथ्वी एवं पृथ्वीवासियों के लिए सबसे बड़े खतरे हैं और इन खतरों का अहसास करना ही विश्व पृथ्वी दिवस का ध्येय है। प्रतिवर्ष धरती का तापमान ब? रहा है। आबादी ब? रही है, जमीन छोटी प? रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। साथ ही साथ हमारा सुविधावादी नजरिया एवं जीवनशैली पृथ्वी और उसके पर्यावरण एवं प्रकृति के लिये एक गंभीर खतरा बन कर प्रस्तुत हो रहा हैं।

जल, जंगल और जमीन इन तीन तत्वों से पृथ्वी और प्रकृति का निर्माण होता है। यदि यह तत्व न हों तो पृथ्वी और प्रकृति इन तीन तत्वों के बिना अधूरी है। विश्व में ज्यादातर समृद्ध देश वही माने जाते हैं जहां इन तीनों तत्वों का बाहुल्य है। आधुनिकीकरण के इस दौर में जब इन संसाधनों का अंधाधुन्ध दोहन हो रहा है तो ये तत्व भी खतरे में प? गए हैं। अनेक शहर पानी की कमी से परेशान हैं। कत्लखानों में कटती गायों की निरीह आहें जिसे बेचैन कर देती थी। जो वन्य पशु-पक्षियों को खदे?कर अपनी बस्तियों बनाने का बौना स्वार्थ नहीं पालता था। अब वही मनुष्य अपने स्वार्थ एवं सुविधावाद के लिये सही तरीके से प्रकृति का संरक्षण न कर पा रहा है और उसके कारण बार-बार प्राकृतिक आपदाएं कहर बरपा रही है। रेगिस्तान में बा? की बात अजीब है, लेकिन हमने राजस्थान में अनेक शहरों में बा? की विकराल स्थिति को देखा हैं। वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा।

आज पॉलीथीन पृथ्वी के लिये सबसे ब?ा सिरदर्द बन गई है। इसके नष्ट न होने के कारण भूमि की उर्वरक क्षमता खत्म हो रही है। इनको जलाने से निकलने वाला धुआँ ओजोन परत को भी नुकसान पहुँचाता है जो ग्लोबल वार्मिग का ब?ा कारण है। देश में प्रतिवर्ष लाखों पशु-पक्षी पॉलीथीन के कचरे से मर रहे हैं। हमें वर्षा के जल को पुनः उपयोग में लाने वाली प्रणाली को विकसित करना होगा। हमें बिजली की बर्बादी को भी रोकना होगा अन्यथा वह दिन दूर नहीं है जब हम अंधेरे में ही अपना जीवन-यापन करने को मजबूर हो जायेंगे। हमें कागज के उपयोग को सीमित करना होगा, क्योंकि कागज पे?ों की लक?ी से बनता है जिसके लिए हमें ब?ी संख्या में पे? काटने प?ते हैं। आजकल भूमि भी जहरीली होती जा रही है जिससे उसमें उगने वाली वनस्पतियों में विषाक्तता ब?ती जा रही है। प्रकृति से सहज रिश्ता कायम हो। जीवन शैली में बदलाव आये। हर क्षेत्र में संयम की सीमा बने। हमारे दिमागों में भी जो स्वार्थ एवं सुविधावाद का शैतान बैठा हुआ है, उस पर अंकुश लगे। अन्यथा निकट भविष्य में मानव सभ्यता का अंत दिखाई दे रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

बंडा, शाहगढ़ में 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र भीमराव आंबेडकर अभ्यारण्य घोषित

सागर। मध्यप्रदेश के सागर जिले की बंडा और शाहगढ़ तहसील में उत्तर सागर वन मंडल का 25 हजार 864 हेक्टेयर क्षेत्र अब आरक्षित वन घोषित किया गया है। इसे अब डॉ भीमराव अंबेडकर अभ्यारणय घोषित किया गया है। उत्तर सागर वन मंडल में यह अभ्यारण्य होगा। इसमें मौजूद आरक्षित वन क्षेत्र, वन्य जीव और उसके पर्यावरण के संरक्षण, संवर्धन और विकास के प्रयोजन के लिए इस क्षेत्र को अभ्यारण्य बनाने का निर्णय लिया गया है।इस अभ्यारण्य में मालथौन बांदरी वन परिक्षेत्र के पथरिया गौड वन खंड, बंडा के पथरिया घाट, और पाटन, शाहगढ़ के पाटन वनखंड, शाहगढ़ के खैरवाहा, दुलचीपुर और छेन वनखंड को शामिल किया गया है। इन वन क्षेत्रों के 28 हजार 710 हेक्टेयर क्षेत्र में से 25 हजार 864 हेक्टेयर क्षेत्र को अभ्यारण्य में शामिल किया गया है। इसी माह से यह डॉ भीमराव अंबेडकर अभ्यारण्य के नाम से जाना जाएगा और इस क्षेत्र में निर्माण और अन्य गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी।

पपौंध में मारपीट

शहडोल। पपौंध थाना क्षेत्र के मारपीट करने वाले दो आरोपियों के विरुद्ध पुलिस ने मामला दर्ज किया है। रामसुदंर कोल 55 वर्ष ने पुलिस से शिकायत की है कि पारिवारिक विवाद को लेकर सुनील उर्फ पण्डू कोल एवं राजबाई कोल ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी है।

सीएमसीएलडीपी विद्यार्थी नागरिकों को जल संरक्षण हेतु करेंगे जागरुक

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। औबेदुल्लागंज स्थित वीर सावरकर महाविद्यालय में मप्र जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास पाठयक्रम अंतर्गत समाजसेवा एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू पाठयक्रम के विद्यार्थियों द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अपने-अपने ग्राम, नगर में जल संरक्षण हेतु नागरिकों को जो?ने एवं पानी को बचाने की शपथ ली गई। इस दौरान मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक वरूण आचार्य, जिला समन्वयक कल्याण सिंह राजपूत, ब्लाक समन्वयक निशा बहेकार उपस्थित थे। संभाग समन्वयक वरुण आचार्य ने विद्याथियों से अपील करते हुए कहा कि आज जल संकट बहुत ब?ी चुनौती के रूप में सामने ख?ा है। हम सभी अपने- अपने ग्रामों में प्राचीन जल स्त्रोतों के संरक्षण हेतु सामुदायिक सहभागिता से कार्य करें। जिला समन्वयक कल्याण सिंह राजपूत ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले में की जा रही गतिविधियों पर चर्चा की। संभाग एवं जिला समन्वयक द्वारा प्रायोगिक परीक्षा का निरीक्षण भी किया गया। इस अवसर पर परिषद की नवांकुर संस्थाएं, सीएमसीएलडीपी के परामर्शदाता एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एसडीएम ने महाराजपुर में औचक निरीक्षण कर झोलाछाप डॉक्टर पर की कार्रवाई

मंडला। मंडला एसडीएम सोनल सिडाम ने महाराजपुर में अवैध रूप से चिकित्सा कार्य कर रहे एक झोलाछाप डॉक्टर के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसडीएम ने महाराजपुर में औचक निरीक्षण कर मनोज परते नामक व्यक्ति द्वारा क्लीनिक बिना किसी वैध चिकित्सा डिग्री के मरीजों का इलाज करते हुए पाया गया।मनोज परते के पास किसी भी प्रकार की वैध चिकित्सा शिक्षा या डिग्री नहीं है और वह गैरकानूनी रूप से लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा था। एसडीएम सोनल सिडाम ने इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्काल कार्रवाई करते हुए झोलाछाप डॉक्टर मनोज परते कार्यवाही की गई। इस दौरान राजस्व निरीक्षक राकेश कटारिया, डॉ वैभव पटेल, बी एम ओ डॉ. देवेंद्र शर्मा, मेडिकल ऑफिसर, महाराजपुर पटवारी योगेश तिवारी,नीरज वरकड़े सहित संबंधित उपस्थित थे।

भाजपा के गांव चलो-बस्ती चलो अभियान के तहत विधायक ने मन्दिर में की सफाई,आंगनबाड़ी का किया निरीक्षण

आष्टा। मप्र भाजपा के निर्देश पर भाजपा के स्थापना दिवस से शुरू हुआ गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत आज आष्टा विधायक गोपालसिंह इंजीनियर जावर पहुचे । जावर भाजपा मंडल द्वारा आयोजित गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत जावर नगर परिषद के वार्ड क्र 8 एवं 9 की अनुसूचित जाति बाहुल्य बस्ती में पहुचे । भाजपा द्वारा गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत आज विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने जावर की अनुसूचित जाति की बस्तियों का भ्रमण किया । बस्ती में विधायक ने रहवासियों से योजनाओं का लाभ प्राप्त हितग्राहियों से मप्र शासन की कौन कौन से योजनाओं का लाभ मिला उसकी जानकारी ली एवं उनेह केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी । गरीबो को गरीब कल्याण योजनाओ का निशुल्क अनाज योजना का लाभ मिल रहा है,आवास योजना का किस किस को लाभ मिल,किसान सम्मान निधि खाते में आ रही है या नही,सहित अन्य योजनाओं की जानकारी ली। बस्ती के लोगो ने योजनाओं का लाभ मिल रहा है कि जानकारी दी । बस्ती चलो अभियान के तहत विधायक ने जावर नगर परिषद को कहा की वे नगर में जो भी पुराने जीवित जल स्त्रोत कुए,बाबड़ी,तालाब,तलाई आदि हो तो उन्हें जल गंगा संवर्धन योजना के तहत जनभागीदारी से साफ सफाई कराये, गहरीकरण अभियान शुरू करे ।

पश्चिम बंगाल मे हिंदुओ पर अत्याचार को लेकर सौंपा गया ज्ञापन

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

शहडोल। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल शहडोल के द्वारा पश्चिम बंगाल में विगत दिनों हुई सांप्रदायिक हिंसा और हिन्दू समाज पर हुए हमलों को लेकर शहडोल जिला मुख्यालय पर हिन्दू संगठनों ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किया। विश्व हिन्दू परिषद महाकौशल प्रांत, हिन्दू एकता मंच शहडोल सहित अन्य सामाजिक व धार्मिक संगठनों ने संयुक्त रूप से राष्टपति के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा। इस दौरान भारी संख्या में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए सभी हिन्दू समाज की महिलाए और पुरुष शामिल रहे।

प्रदर्शनकारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए ज्ञापन के माध्यम से राष्टपति से मांग की है कि पश्चिम बंगाल में राष्टपति शासन लगाया जाय, दंगों की जांच राष्टीय जांच एजेंसी (हृद्ध) से करवाने और हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शन कलेक्ट्रेट परिसर के मुख्य द्वार पर हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में हिन्दू समाज के लोग, कार्यकर्ता, संत-महात्मा, महिलाओं और युवाओं की भागीदारी देखी गई। प्रदर्शनकारियों ने बैनर, पोस्टर और झंडे लेकर जमकर नारेबाजी की और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नीतियों को हिन्दू विरोधी करार देते हुए उन पर गंभीर आरोप लगाए। ज्ञापन में कहा गया कि पश्चिम बंगाल में एक विशेष वर्ग द्वारा हिन्दू समाज को लक्षित कर लगातार हिंसा की जा रही है। 11 अप्रैल 2025 को वक्फ कानून के विरोध की आड़ में मुस्लिम भीड़ द्वारा मुर्शिदाबाद जिले में हिंसक प्रदर्शन किया गया, जिसमें हिन्दुओं के 200 से अधिक घरों और दुकानों को लूटकर आग के हवाले कर दिया गया। इस हमले में हिन्दू नागरिकों की निर्मम हत्या की गई, सैकड़ों लोग घायल हुए और दर्जनों महिलाओं के साथ घिनौनी हरकत हुई। इस भयावह स्थिति के कारण 500 से अधिक हिन्दू परिवारों को अपने घर-गांव छोड़कर पलायन करना पड़ा। ज्ञापन में कहा गया कि यह हमला किसी सरकार के कानून के विरोध में नहीं बल्कि सुनियोजित रूप से हिन्दू समाज को निशाना बनाने के लिए किया गया था। हिन्दू समाज का वक्फ कानून से कोई लेना-देना नहीं था, इसके बावजूद उन्हें हिंसा का शिकार बनाया गया। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि पश्चिम बंगाल की प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह निष्क्रिय हो चुकी है और कई स्थानों पर वह दंगाइयों की मददगार या प्रेरक भूमिका में दिखाई दे रही है। ज्ञापन में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर दंगाइयों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा गया कि जब हिंसा के शिकार हिन्दू शरणार्थी मदद की उम्मीद कर रहे थे, उस समय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दंगा भड़काने वाले इमामों से बैठकें कर रही थीं। एक इमाम द्वारा ममता बनर्जी को दी गई सार्वजनिक धमकी का भी उल्लेख ज्ञापन में किया गया। आरोप लगाया गया कि अब राज्य सरकार हिन्दू शरणार्थियों को फिर से उन्हीं जिहादी तत्वों के सामने परोसने की साजिश रच रही है। ज्ञापन में पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति को पूरी तरह ध्वस्त बताते हुए कहा गया कि राज्य प्रशासन अब तृणमूल कांग्रेस के गुंडों और जिहादी तत्वों के इशारों पर काम कर रहा है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को न केवल राज्य में बसाया जा रहा है, बल्कि उनके दस्तावेज जैसे आधार कार्ड भी बनवाए जा रहे हैं। इसके चलते न केवल हिन्दू समाज, बल्कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा भी खतरे में पड़ चुकी है। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि पश्चिम बंगाल में राष्टपति शासन लागू किया जाए, हिंसा की जांच एनआईए से कराई जाए, राज्य की कानून व्यवस्था का संचालन केंद्रीय सुरक्षा बलों को सौंपा जाए, बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें तत्काल निष्कासित किया जाए और भारत-बांग्लादेश की 450 किमी लंबी सीमा पर अविलंब तारबंदी कराई जाए, जिसे ममता सरकार ने रोका हुआ है। ज्ञापन में अंत में यह आग्रह किया गया कि महामहिम राष्टपति इस पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से लेते हुए त्वरित एवं कठोर कार्रवाई करें, ताकि देश की अखंडता, हिन्दू समाज की सुरक्षा और भारत का संविधान सुरक्षित रह सके।

फांसी के फंदे पर लटकता मिला युवक-युवती का शव

शहडोल । जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के ग्राम टेटका में पेड़ में युवक-युवती का शव फांसी के फंदे में लटकता मिला है। पुलिस जानकारी अनुसार संदीप सिंह गोंड 20 निवासी बसनगरी जयसिंहनगर एवं 26 वर्षीय महिला निवासी जयसिंहनगर का शव टेटका में बंधा के पास फंदे से लटकता हुआ मिला है। पुलिस अनुसार महिला के पति की मौत पांच महीने पहले बीमारी से होने पश्चात महिला अपने ससुराल में ही रहती थी, जिसके दो बच्चे भी हैं। महिला सोमवार से लापता थी, जिसकी गुमशुदगी परिजनों ने थाने में दर्ज कराई थी। शनिवार को दोनों का शव महुआ बीनने आए ग्रामीणों ने देखा और पुलिस को जानकारी दी।

5.79 करोड शुद्ध लाभ अर्जित कर सहकारी बैंक ने लगाई लंबी छलांग

खरगोन। वित्तीय वर्ष 2024-25 की अवधि में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, खरगोन के द्वारा सभी सेक्टर में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रू. 5.79 करोड का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया। जो गतवर्ष 2023-24 की तुलना में एक सौ तीस प्रतिषत अधिक है। बैंक के द्वारा वित्तीय वर्ष में अनेक नवाचार किये गये, बैंक द्वारा ऋण महोत्सव एवं अमानत बचत पखवाडा का आयोजन, सहकार से समृद्धि योजना अंतर्गत बैंक से संबंद्ध संस्था भीकनगांव, खेतिया, पानसेमल में जन औषधि केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। बैंक द्वारा प्रदेश में पैक्स कम्प्यूटराईजेशन में प्रथम स्थान अर्जित कर खरगोन एवं बडवानी जिले गौरान्वित किया गया है। इसी तरह बैंक से संबंद्ध संस्था घुघरियाखेडी के द्वारा एग्रीड्रोन का उत्कृष्ट संचालन कर अतिरिक्त आय अर्जित करने हेतु मुख्यमंत्री म.प्र. शासन द्वारा सम्मान प्राप्त किया गया है। बैंक द्वारा भव्य ग्राहक जागरूकता अभियान चलाकर बैंक की रीति नीति, बैंक की ऋण योजनाओं, एवं बैंक विभिन्न अमानत योजनाओं की जानकारी को गांव-गांव तक पहूंचाया। ग्राहक जागरूकता अभियान अंतर्गत जिले क जनप्रतिनिधि, सांसद श्री गजेन्द्रसिंह पटेल एवं श्री ज्ञानेश्वर पाटील, विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार, श्री राजकुमार मेव एवं श्री सचिन बिर्ला द्वारा सहभागिता कर बैंक ग्राहको एवं किसानों को बैंक की योजनाओं के बारे मार्गदर्षन दिया जाकर उनका अधिकाधिक लाभ उठाने का आव्हान किया गया। जिसके परिणाम बहुत ही सुखद परिलक्षित हुये है। उक्त संबंध में बैंक प्रबंध संचालक पीएस धनवाल द्वारा बताया गया कि बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में बैंक द्वारा चहुमुखी प्रगति की गयी है। बैंक द्वारा गतवर्ष की तुलना में अंशपूंजी रू. 2.80 करोड, अमानत रू. 238.58 करोड, ऋण वितरण रू. 143.05 करोड, ऋण ग्रहण रू. 555.22 करोड, विनियोजन रू. 656.62 करोड, रू. कार्यशील पूंजी रू. 822.29 करोड, की वृद्धि की गयी है। सुनियोजित तरिके से समस्त संभव प्रयास कर बैंक के द्वारा कृषि एवं अकृषि कालातीत ऋणों की वसूली की जाकर एनपीए के स्तर को 2.85 प्रतिशत पर ला खडा किया गया है जो कि भारतीय रिर्जव बैंक के निर्धारित मापदण्ड 5 प्रतिशत से कम है।

मुनाफे से मजबुत बनायेगें बैंक: नवीन बनने वाली बैंक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, बडवानी हेतु आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित बैंक भवन बडवानी में बनाया जावेगा। बैंक की शाखाओं को सुसज्जित साज-सज्जा कर ग्राहको के लिए अधिक सुविधाजनक बनायी जायेगी। वर्ष 2025-26 में बैंक द्वारा जमा राशि का आंकडा 500 करोड बढाने का लक्ष्य निर्धारित किया।

ग्वालियर के घी-तेल से तिरुपति के लड्डू प्रसाद में मिलावट, सीबीआई की एसआईटी टीम पहुंची

ग्वालियर। दक्षिण भारत के चर्चित तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बीयुक्त तेल और घी मिलाने के तार ग्वालियर से जुड़ते दिखाई दिए। इस मामले की। पडताल को लेकर दक्षिण भारत से सीबीआई की एसआईटी टीम ग्वालियर पहुंची। इस जांच दल में चार सदस्य हैं, जो सबसे पहले ग्वालियर के दाल बाजार के घी और तेल कारोबारियों के पास पहुंचे। इस बात की सूचना से बाजार में हड़कंप हो गया। सीबीआई की ये चार सदस्यीय टीम ने दाल बाजार के कुछ तेल और घी कारोबारी को नोटिस देकर तलब किया है।

सीबीआई की टीम दो दिन से ग्वालियर में है। कुछ व्यापारी सीबीआई की एसआईटी के बुलाने पर भी नहीं आए, तो इंदरगंज थाना पुलिस की मदद से उनको थाने लाकर पूछताछ की गई। सीबीआई के ग्वालियर आने के बाद से दाल बाजार में कई फर्म के दफ्तर तक नहीं खुले। कुछ खुले हैं तो वहां के कारोबारी नहीं आए।

दो दिन से सीबीआई टीम ने डेरा डाला

तिरुपति बालाजी प्रसाद कांड में सीबीआई दक्षिण से लेकर उत्तर भारत तक कार्रवाई कर रही है। दो दिन से सीबीआई की एसआईटी टीम ग्वालियर के दाल बाजार के आसपास डेरा जमाए हुए है। पता लगा है कि सीबीआई सीपी ट्रेडिंग कंपनी मैना वाली गली के नितिन अग्रवाल उर्फ मोनू, व्यापारी मोहित अग्रवाल, अजीत कुमार राकेश कुमार के वारंट लेकर आई है। इन सभी कारोबारियों का घी और तेल का कारोबार है।

कारोबारियों को पुलिस के जरिए बुलाया गया

दक्षिण भारत से आई सीबीआई टीम ने पहले दिन कुछ व्यापारियों को नोटिस देकर तलब किया था। लेकिन, व्यापारी डर के चलते नहीं पहुंचे। अपने प्रतिष्ठान से गायब भी हो गए। इस पर सीबीआई ने ग्वालियर के इंदरगंज सर्कल के सीएसपी रोबिन जैन और कोतवाली थाना प्रभारी मोहिनी मिश्रा से संपर्क कर मदद के लिए कहा। जिस पर इंदरगंज थाना और कोतवाली थाना पुलिस की मदद से इन व्यापारियों को सीबीआई के सामने पेश किया। जानकारी के अनुसार सीबीआई टीम ग्वालियर में अभी दो-तीन दिन और छानबीन करेगी। कुछ लोगों को पूछताछ के लिए वह अपने साथ भी ले जा सकती है। यह मामला करीब 3 महीने पुराना है, जब तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसाद में मिलावट का मामला सामने आया था।

ग्राम हिनौती में 15 लाख एवं झरौली में 25 लाख की लागत से बनेंगे भवन

सामुदायिक भवनों की रखी आधारशिला

दमोह। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी विधानसभा क्षेत्र जबेरा की तहसील तेंदूखेड़ा अंतर्गत ग्राम हिनौती में 15 लाख रुपए एवं ग्राम झरौली में 25 लाख रुपए की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवनों का भूमि पूजन कर आधार शिला रखी।

इस अवसर पर धर्मेंद्र लोधी ने कहा सैलवा ग्राम पंचायत हिनौती ग्राम में 15 लाख रुपए और ग्राम झरौली में 25 लाख रुपए की राशि से सामुदायिक भवन स्वीकृत हुए है, गांव के लोग बड़े प्रसन्न है, कि इतने छोटे गांव में सामुदायिक भवन देने का काम सरकार ने किया है। इसके पहले सैलवा में 25 लाख की राशि से सामुदायिक भवन बनके तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा इस ग्राम पंचायत में दो गांव है, जिसमें सैलवाड़ा में भी सामुदायिक भवन बनवा दिया गया है, और यह हिनौती और झरौली गांव में भी सामुदायिक भवन बनने जा रहा है, यह एक बहुत अच्छी शुरुआत है। उन्होंने कहा गांव के लोगों को लाडली बहना योजना योजना का लाभ भी मिल रहा है। किसान भाईयों को किसान सम्मान निधि भी मिल रही। गरीब वर्ग के लोगों को नए मकानों का भी नया सर्वे हो गया है। जिन लोगों के नाम छूट गए थे उन सब के नाम जुड़वा दिए गए हैं।

ड्राइवर को झपकी आने से तूफान गाड़ी खाई में गिरी, 6 की मौत 3 घायल

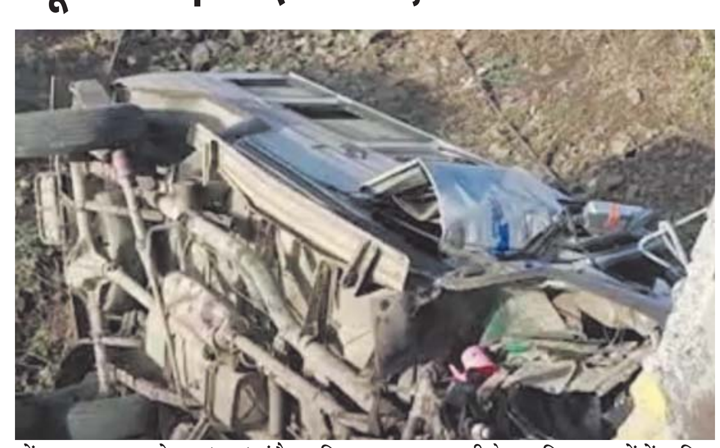

रायसेन। आज सुबह करीब साढ़े 6 बजे भोपाल-जबलपुर मार्ग पर हुए सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। यह घटना बम्होरी ढाबे के पास बंदर वाली पुलिया के पास टेम्पो ट्रैक्स (तूफान) पहले पुलिया से टकराई, इसके बाद 10 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। गाड़ी में कुल 9 लोग सवार थे।

घटना को लेकर एसपी पंकज कुमार पांडेय के मुताबिक हादसे में दो महिलाओं, एक बच्ची और तीन पुरुषों की मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को नींद आने के कारण यह हादसा हुआ। बाड़ी एसडीओपी अदिति सक्सेना ने बताया कि गाड़ी जबलपुर से इंदौर की ओर जा रही थी। घायलों को सुल्तानपुर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रायसेन जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये लोग इंदौर के रहने वाले थे।

इन लोगों की मौत हुई:-मोहनलाल कुरील पुत्र महावीर प्रसाद (68), चंदा देवी पुत्र मोहनलाल (60) उदयपुर राजस्थान, नरेंद्र पुत्र बालाराम चोपड़ा (30) इंदौर, सरिता पत्नी रवि खोलवाल (25) चंदन नगर इंदौर, तस्वी उर्फ चीनू पुत्र रवि (2) इंदौर, सुनील (ड्राइवर)

हादसे में ये 3 लोग घायल हुए:- दीपक पुत्र बालाराम चोपड़ा निवासी उज्जैन, रवि खोलवाल पुत्र भगीरथ (27) निवासी इंदौर, संगीता (25) निवासी इंदौर

जानकारी के मुताबिक घायलों में शामिल दीपक चोपड़ा दूल्हा है और संगीता दुल्हन है। दोनों की आज महेश्वर में शादी है। दोनों परिवारों के लोग पटना गए थे और वहां से इंदौर लौट रहे थे। एएसपी कमलेश कुमार ने बताया कि सभी इंदौर के रहने वाले हैं। घटना में घायल 3 लोगों को रायसेन जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्लेटफार्म पर शिव मंदिर बनाने की मांग, स्टेशन अधीक्षक को घेरा

जावरा। जिले के जावरा में रेल लाइन दोहरीकरण और विस्तार करने के दौरान प्लेटफार्म नंबर 2 को और ऊंचा और नया बनाया गया था इस दौरान यहां पर स्थित शिवलिंग और देवताओं की प्रतिमा को शास्त्री कॉलोनी के पास में शिफ्ट कर दिया गया था इसके बाद किसी ने शिवलिंग सहित सभी प्रतिमाएं वापस प्लेटफार्म नंबर 2 के फर्श पर लाकर रख दी इसे लेकर हिन्दू संगठन और श्रद्धालुओं ने आक्रोश जताया और रविवार दोपहर इसके विरोध में हिंदू संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और महिलाएं स्टेशन पर पहुंचे और वहां भगवान की पूजा-अर्चना करने के बाद स्टेशन अधीक्षक कार्यालय पर पहुंचे और वहां स्टेशन अधीक्षक का घेराव करते हुए मांग की गई कि मंदिर प्लेटफार्म नंबर 2 जहां पर शिवलिंग स्थापित है वहीं पर बनना चाहिए।

इस पर अधीक्षक ने सभी को आश्वासन देते हुए कहा कि प्लेटफार्म निर्माण कार्य के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने कुछ लोगों की सहमति से शिवलिंग और अन्य प्रतिमाओं को विस्थापित किया था।

इस पर मौजूद कार्यकर्ता भड़क गए और उन्होंने कहा कि हमें मंदिर यही चाहिए नहीं तो हम सब मिलकर बना लेंगे इस पर स्टेशन अधीक्षक ने ज्ञापन लेकर सभी को आश्वस्त किया कि डीआरएम को भेजकर उचित निर्णय लिया जाएगा। इस मौके पर समाजसेवी महेन्द्र अग्रवाल, प्रशान्त पहाड़िया, सुयश भावसार, अभिषेक पांडेय, पंडित दिव्य कुमार, जीवन सैनी, मनोज पांचाल, मनीष मोर्य, मंजू कैथवास, टीना कैथवास सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहें!

वाहन चेकिंग को लेकर ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ने 8 पॉइंट में गाइडलाइन जारी की

भोपाल। प्रदेश मप्र में परिवहन चेक पोस्ट भले ही बंद कर दिए गए हों, लेकिन, ट्रकों और वाहनों से अवैध वसूली की शिकायतें लगातार मिलती रहती हैं। इस पर नियंत्रण के लिए परिवहन आयुक्त ने नया आदेश जारी किया। इस आदेश में परिवहन विभाग के अमले द्वारा की जाने वाली वाहन चेकिंग को लेकर 8 पॉइंट में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

परिवहन आयुक्त के निर्देशः कम से कम एक सहायक परिवहन उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी की मौजूदगी में ही चेकिंग की जाएगी।,चेकिंग के समय पूरा स्टाफ वर्दी में होना चाहिए। सभी की वर्दी पर नेम प्लेट भी लगी होनी चाहिए।, यूटि के साथ अटैच ड्राइवर के अलावा कोई भी प्राइवेट व्यक्ति चेकिंग की कार्यवाही के दौरान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हो।, चालानी कार्यवाही केवल पॉइंट ऑफ सेल मशीन के जरिए ही होना चाहिए। जहां कहर मशीन नहीं हैं, वहां के प्रभारी उसे तत्काल प्रयोग में लाना सुनिश्चित करें। यूनिट द्वारा एक बार में एक ही वाहन को रोका जाए और उसकी चेकिंग, उसके खिलाफ कार्यवाही के बाद ही किसी दूसरे वाहन को रोका जाए।, किसी भी वाहन को बिना किसी विशेष कारणों के 15 मिनट से ज्यादा न रोका जाए। अन्यथा ये माना जाएगा कि वाहन को रोकने के संबंध में यूनिट की मंशा सही नहीं हैं।, रात के समय अगर चेकिंग जरूरी हो तो ऐसे स्थान को चेकिंग के लिए चुना जाए, जहां रोशनी के अभाव में कोई दुर्घटना न हो।, अंधेरे के समय स्टाफ के पास एलईडी बैटन और रिफलेक्टिव जैकेट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो।

चेकिंग के समय बॉडी वॉर्न कैमरा चालू रहेः बॉडी वॉर्न कैमरा उपलब्ध होते ही चेकिंग की पूरी अवधि के दौरान कम से कम दो बॉडी वॉर्न कैमरा चालू हालत में रहें। इनमें से कम से कम एक बॉडी वॉर्न कैमरा लाइव मोड में रहे, जो प्रभारी सुनिश्चित करेंगे। हर कैमरे को अधिकारी, कर्मचारियों में आवंटित किया जाएगा।

वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी लि. ने जॉय ई-बाईक मॉडलों की कीमत में कटौती की घोषणा की

वड़ोदरा, एजेंसी। भारत में 'जॉय ई-बाईक' ब्राण्ड के तहत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन और 'जॉय ई-रिक' के तहत तिपहिया वाहन बनाने वाले प्रमुख निर्माताओं में से एक वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी लिमिटेड ने अपने इलेक्ट्रिक दोपहिया मॉडलों की रेंज पर कीमतों में कमी की घोषणा की है। देश भर में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को सुलभ बनाना और ईवी अडॉप्शन को बढ़ावा देना इस कदम का मुख्य उद्देश्य है। कंपनी ने मार्केट में अपनी मौजूदगी बढ़ाने तथा अधिक से अधिक ईवी उपभोक्ताओं को लुभाने के लिए चुनिंदा मॉडलों की कीमत में रु 13,000 तक की कमी की है। ये नई कीमतें वोल्फ 31एएच, जेन नेक्स्ट 31एएच, जेन नेक्स्ट नानू प्लस, वोल्फ प्लस, जेन नेक्स्ट नानू ईको और वोल्फ इको सहित मॉडलों पर लागू होंगी। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधानों के बढ़ते पोर्टफोलियो और उपभोक्ता-उन्मुख दृष्टिकोण के साथ वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी लिमिटेड ईवी उद्योग में अपनी स्थिति को सशक्त बनाने के प्रयास निरंतर जारी रखे हुए है।

आईटीसी ने इस कंपनी पर बढ़ाया दांव, अब शेयर पर रहेगी नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। रोजमर्रा की घरेलू वस्तुएं बनाने वाली लीडिंग एफएमसीजी कंपनी आईटीसी लिमिटेड ने शिशु देखभाल ब्रांड मदर स्पर्श में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। कंपनी ने अपना निवेश 26.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 49.3 प्रतिशत कर रही है। इसके लिए आईटीसी ने लगभग 81 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। इस रणनीतिक निवेश के साथ आईटीसी का मदर स्पर्श में कुल निवेश बढ़कर करीब 126 करोड़ रुपये हो जाएगा। कंपनी ने यह भी संकेत दिया कि आगामी 2 से 3 वर्षों में पूर्व निर्धारित मूल्यांकन और शर्तों के आधार पर शेष हिस्सेदारी भी अधिग्रहित करने की योजना बना रही है। यह अधिग्रहण आईटीसी की आईटीसी नेक्स्ट रणनीति के अनुरूप है, जो भविष्योन्मुख उत्पाद इनोवेशन, ब्रांड विस्तार और डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने पर केंद्रित है। 24 मंत्रा ऑर्गेनिक ब्रांड का अधिग्रहण- इससे पहले गुरुवार को आईटीसी ने कहा कि वह 24 मंत्रा ऑर्गेनिक ब्रांड के तहत जैविक पैकेज्ड खाद्य उत्पादों के निर्माण और बिक्री में लगी श्रेष्ठा नेचुरल बायोप्रोडक्ट्स का लगभग 472.50 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने श्रेष्ठा नेचुरल बायोप्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एसएनबीपीएल) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एसएनबीपीएल के पोर्टफोलियो में 100 से अधिक जैविक उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला शामिल है। बीते गुरुवार को आईटीसी के शेयर की कीमत 427.25 रुपये थी। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर मामूली 0.73 प्रतिशत बढ़त के साथ बंद हुआ था। शुक्रवार को गुड फ्राइडे की वजह से बाजार बंद रहे। वहीं, शनिवार और रविवार को शेयर बाजार में साप्ताहिक अवकाश था। अब सोमवार को आईटीसी के शेयर में हलचल की उम्मीद है। बीते दिनों जेपी मॉर्गन ने ?475 प्रति शेयर के टारगेट प्राइस के साथ स्टॉक पर अपनी ओवरवेट रेटिंग बनाए रखी। शेयर पिछले साल सितंबर महीने में 500.01 रुपये तक गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई था।

यह सम्मान की बात, इस साल भारत यात्रा के लिए उत्सुक

नईदिल्ली, एजेंसी। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने शनिवार को बताया कि वे साल के अंत तक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। एलन मस्क ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत के बाद यह टिप्पणी की। इस बातचीत के दौरान मस्क और मोदी ने प्रौद्योगिकी और नवाचार में सहयोग आगे बढ़ाने पर चर्चा की। उस बैठक के दौरान मोदी और मस्क ने एआई, अंतरिक्ष अन्वेषण (स्पेस एक्सप्लोरेशन), नवाचार और सतत विकास के साथ अन्य क्षेत्रों में भारतीय और अमेरिकी संस्थाओं के सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। अमेरिका में फरवरी में हुई बैठक के बाद पीएम मोदी ने पोस्ट किया था कि एलन मस्क और उनके परिवार के साथ मिलकर खुशी हुई। इस मुलाकात में हमने अलग-अलग विषयों पर बातचीत की। इसके साथ ही उन्होंने न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन को भारत में आगे बढ़ाने की बात की।

भारत को जल्द मिल सकती है खुशखबर! जर्मनी की हालत खस्ता, 35 प्रतिशत कंपनिया छंटनी की तैयारी में

नईदिल्ली, एजेंसी। नीति आयोग का कहना है कि भारत अगले तीन साल में जापान और जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बन सकता है। भारत अभी अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान के बाद दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है। लेकिन भारत जल्दी ही इस मुकाम पर पहुंच सकता है। इसकी वजह यह है कि जापान और जर्मनी की इकॉनमी अभी संघर्ष कर रही हैं जबकि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है। बैंक ऑफ जापान ने चेतावनी दी है कि अमेरिका में टैरिफ पर अनिश्चितता से देश की इकॉनमी बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। जापान की जीडीपी में एक्सपोर्ट का बहुत बड़ा योगदान है। अमेरिका को एक्सपोर्ट होने वाली अधिकांश गाड़ियां जापान में ही बनती हैं।

इसी तरह जर्मनी की इकॉनमी भी संघर्ष कर रही है। एक सर्वे के मुताबिक यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी में 35 फीसदी कंपनियों ने इस साल छंटनी को योजना बनाई है। जर्मनी की इकॉनमी भी काफी हद तक एक्सपोर्ट पर निर्भर है लेकिन अब वहां की सरकार देश में खपत बढ़ाने पर जोर दे रही है। देश में 2023 से ही घरेलू खपत ठहरी हुई है। 2025 में जर्मनी की इकॉनमी के 0.3 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है जबकि जापान की इकॉनमी के 1.1 से 1.3 फीसदी बढ़ सकती है। दूसरी ओर भारत की इकॉनमी के 6.5 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने का अनुमान है। आईएमएफ के ताजा अनुमानों के अनुसार भारत की रियल जीडीपी 4.3 ट्रिलियन डॉलर की है जो जापान (4.4 ट्रिलियन डॉलर) और जर्मनी (4.9 ट्रिलियन डॉलर) से कुछ ही कम है। नीति आयोग के सीईओ बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम का कहना है कि विकसित भारत का सपना पूरा होने के साथ ही देश 2047 में 30 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में पहचाना जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत अगले वर्ष के अंत तक पांचवीं से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा और इसके बाद देश अपने विकास की गति को तेज करते हुए तीसरा और दूसरा स्थान भी पा लेगा।

मप्र के इस शहर को दो नए आईटी पार्कों की सौगात, स्टार्टअप्स को मिलेगी ताकत साथ ही युवाओं को मिलेगा रोजगार

इंदौर। इंदौर, जो अब तक स्वच्छता और व्यापारिक पहचान के लिए देशभर में जाना जाता रहा है, अब तकनीकी क्षेत्र में भी अपनी खास जगह बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। मध्य प्रदेश सरकार की पहल पर इंदौर को दो नए अत्याधुनिक आईटी पार्कों की सौगात मिलने जा रही है, जिनकी आधारशिला 27 अप्रैल को प्रस्तावित आईटी कॉन्क्लेव में रखी जाएगी। ये पार्क न केवल शहर के स्टार्टअप ईकोसिस्टम को मजबूती देंगे, बल्कि हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी खोलेंगे।

इंदौर में बीते कुछ वर्षों में आईटी सेक्टर तेजी से पनपा है। फिलहाल शहर में 100 से अधिक आईटी कंपनियां सक्रिय रूप से कार्यरत हैं और इस संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। अब सरकार की योजना इन दो नए आईटी पार्कों के ज़रिए खासतौर पर छोटे स्टार्टअप्स और मझोली कंपनियों को 'प्लग एंड प्ले' मॉडल के तहत सस्ती दरों पर जगह उपलब्ध कराना है। इसका मकसद इन स्टार्टअप्स को ऐसी सुविधाएं देना है जिससे वे बिना भारी निवेश के बड़े सपने साकार कर सकें। सरकार ने दो रणनीतिक स्थानों पर इन आईटी पार्कों की स्थापना की योजना बनाई है। पहला पार्क परदेशीपुरा इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स में और दूसरा भंवरकुआ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। दोनों स्थान पहले से ही तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टि से सक्रिय हैं, जिससे निर्माण कार्य में समय की बचत होगी।

सबसे बड़ी बात यह है कि इन पार्कों को स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन (स्र्श्च) का दर्जा मिलेगा, जिससे टैक्स में भारी छूट और अन्य सरकारी रियायतें कंपनियों को प्राप्त होंगी।

250 करोड़ का निवेश, दो हजार रोजगार के अवसर

परदेशीपुरा स्थित आईटी पार्क पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (क्क्क्क) मॉडल के तहत बनाया जाएगा, जिसमें करीब 250 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इस परियोजना से सीधे 2,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। यह इंदौर के युवाओं के लिए तो वरदान साबित होगा ही, साथ ही प्रदेश से बाहर जाने वाले टेक्निकल टैलेंट को भी यहीं रोकने में मदद करेगा।

इंदौर पहले से आईटी में मजबूत

गौरतलब है कि इंदौर में पहले से ही तीन सरकारी और दो निजी आईटी पार्क संचालित हो रहे हैं। आईटी चौराहा, सिंहासा और परदेशीपुरा के पहले वाले पार्क में कई नामी कंपनियां काम कर रही हैं। सिंहासा में तो 40 से ज्यादा कंपनियों को जमीन भी अलॉट हो चुकी है, जो इस क्षेत्र की संभावनाओं को और बल देती है।

टीसीएस और इंफोसिस ने खोला था रास्ता

इंदौर की आईटी यात्रा की नींव तभी रखी गई थी, जब एक दशक पहले सरकार ने टीसीएस और इंफोसिस जैसी दिग्गज कंपनियों को रियायती दरों पर 100 और 130 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई थी। साथ ही, इनसे यह शर्त भी रखी गई थी कि वे अपनी 50त्न नौकरियों में प्रदेश के युवाओं को प्राथमिकता दें।

वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एंड आईआईटी मंडी में शुरू हुआ सभी आईआईटी के रजिस्ट्रार्स का कॉन्क्लेव

मंडी, एजेंसी। देश के प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आईआईटी मंडी में तीन दिवसीय वार्षिक रजिस्ट्रार्स कॉन्क्लेव की शुरुआत हुई। इस आयोजन में देशभर के 18 आईआईटी के रजिस्ट्रार्स और 3 निदेशक शामिल हुए, जो हाल के वर्षों में आईआईटी प्रणाली के वरिष्ठ प्रशासकों का सबसे बड़ा जमावड़ा माना जा रहा है। कॉन्क्लेव का उद्देश्य शैक्षणिक प्रशासन को मजबूत करना, प्रक्रियाओं को ऑटोमेशन के माध्यम से सरल बनाना, और प्रशासन की भूमिका को भारतीय और वैश्विक अनुसंधान परिप्रेक्ष्य में और अधिक प्रभावशाली बनाना है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. लक्ष्मिधर बेहरा और आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा की उपस्थिति में हुआ, जबकि आईआईटी जम्मू के निदेशक प्रो. मनोज सिंह गौर ने वर्चुअल रूप से कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रो. लक्ष्मिधर बेहरा ने मूल्य-आधारित नेतृत्व की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि संस्थानों को श्रीमद् भगवद गीता की शिक्षाओं पर आधारित नेतृत्व सिद्धांतों को अपनाना चाहिए। आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने कहा, रजिस्ट्रार संस्थानों की स्मृति होते हैं और निरंतरता की रीढ़ की हड्डी भी।

आईसीआईसीआई बैंक को 12629 करोड का प्रॉफिट

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक ने तिमाही नतीजों का ऐलान किया है। बैंक के नेट प्रॉफिट में सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। दिग्गज प्राइवेट बैंक का नेट प्रॉफिट मार्च तिमाही के दौरान 12629.58 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी मार्च तिमाही में 10,707.53 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। आईसीआईसीआई बैंक ने तिमाही नतीजों के साथ डिविडेंड का भी ऐलान किया है।

इंडकल टेक्नोलॉजीज ने भारत में एसर ब्रांड के दो स्मार्टफोन लॉन्च किए

मुंबई, एजेंसी। इंडकल टेक्नोलॉजीज ने भारत में एसर इंक. के साथ ट्रेडमार्क लाइसेंसिंग समझौते के तहत एसर ब्रांड के दो स्मार्टफोन लॉन्च किए हैं। इस टेक्नोलॉजी स्टार्टअप को अपने नए और शानदार इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स के लिए जाना जाता है। कंपनी ने एक वर्चुअल इवेंट के जरिए सुपर जेडएक्स सीरीज के दो शानदार मॉडल पेश किए हैं। ये फोन प्रीमियम डिज़ाइन और आधुनिक फीचर्स के साथ आते हैं। एसर सुपर जेडएक्स और एसर सुपर जेडएक्स प्रो की कीमतें बेहद प्रतिस्पर्धी हैं और इन्हें प्रीमियम फीचर्स प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इससे देश भर के उपभोक्ताओं तक आधुनिक टेक्नोलॉजी तक आसानी से पहुंचेगी।

एसर सुपर जेडएक्स शानदार फीचर्स के साथ आता है। सुपर जेडएक्स स्मार्टफोन में शानदार चिपसेट और कैमरा परफॉर्मेंस है, जो इस सेगमेंट में सबसे बेहतर है। इसका स्लिम डिज़ाइन और 6.78 इंच का एफएचडी+ 120एच5 डिस्प्ले इसे खास बनाता है, जो इस सेगमेंट का पहला एफएचडी+ डिस्प्ले है। इसके बैक में ट्रिपल-कैमरा सेटअप है, जो 15,000 रुपये से कम कीमत वाले फोन्स में अनोखा है। साथ ही, इसमें 33डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग की भी खूबी है। यह फोन स्टॉक एंड्रॉयड 15 पर चलता है और मीडियाटेक 6300 चिपसेट से लैस है। यह इस सेगमेंट का सबसे आधुनिक चिपसेट है, जिससे ग्राहकों को एक शानदार और भरोसेमंद अनुभव मिलता है।

सुपर जेडएक्स का सबसे बड़ा आकर्षण है इसका सोनी एलवायटीआइएटीएम सेंसर और 64 मेगापिक्सल का बैक कैमरा, यह इस कीमत में सबसे एडवांस्ड कैमरा है। 15,000 रुपये से कम कीमत वाले फोन्स में इतना शानदार कैमरा पहले कभी देखने को नहीं मिला। यह मॉडल अलग-अलग रैम और स्टोरेज विकल्पों में उपलब्ध है, जैसे 4+4 जीबी रैम के साथ 128 जीबी की इंटरनल मैमोरी से लेकर 8+8 जीबी रैम के साथ 256 जीबी की इंटरनल मैमोरी तक। इंडकल ने फोन को तीन रंगों में - ब्लैक, ब्लू और ग्रीन में पेश किया है। एसर सुपर जेडएक्स प्रो 25,000 रुपये से ज्यादा कीमत वाले फोन्स को टक्कर देता है। इसमें 6.67 इंच का प्रीमियम एएमओएलइडी डिस्प्ले और आइपी64-रेटेड ग्लास डिज़ाइन है, जो फ्रॉस्टेड ग्लास बैक और मेटल फ्रेम के साथ बहुत आकर्षक और ड्यूरेबल है। इस सेगमेंट में पहली बार अप्रैल में लॉन्च हुए मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7400 चिपसेट का इस्तेमाल किया गया है। यह चिपसेट डाइमेंसिटी चिपसेट की सीरीज में सबसे शक्तिशाली है और फोन को तेज बनाता है। इस सीरीज में पहली बार एआई को भी शामिल किया गया है। सबसे खास बात यह है कि यह 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा वाला इकलौता फोन है, जो एआई के साथ आता है। इससे साफ सेल्फी, शानदार फ्रंट शॉट्स, और एफएचडी वीडियो रिकॉर्डिंग संभव है। 5000 एमएएच की हाई-डेंसिटी बैटरी और डॉल्बी एटमॉस इसे हाल के सबसे शानदार स्मार्टफोन्स में से एक बनाते हैं। यह फोन परफॉर्मेंस के लिए बनाया गया है। इंडकल टेक्नोलॉजीज के सीईओ आनंद दुबे ने कहा, यह हमारी कंपनी के लिए ऐतिहासिक दिन है। इस लॉन्च के साथ हम सबसे बड़े कंज्यूमर प्रोडक्ट के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं।

सोने के रेट में रिकॉर्ड तेजी, 1500 तक महंगा हुआ गोल्ड, 96000 पर पहुंच गया भाव

मुंबई, एजेंसी। ग्लोबल बाजार में बढ़ती मांग के कारण सोमवार को सोने की वायदा कीमतों में 1,493 रुपये की भारी उछाल देखी गई और यह 96,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जून डिलीवरी के लिए सोने के अनुबंधों ने लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में शानदार प्रदर्शन जारी रखा और इसने शुरुआती कारोबार में 1,493 रुपये यानी 1.57 प्रतिशत चढ़कर 96,747 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर को छू लिया।

रिकॉर्ड तेजी से पीछे हटकर 1,346 रुपये यानी 1.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 96,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। जिसमें 21,540 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी तरह, अगस्त डिलीवरी के लिए अनुवर्ती अनुबंध 1,464 रुपये यानी 1.53 प्रतिशत की तेजी के साथ एमसीएक्स पर 97,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया। शुक्रवार को 'गुड फ्राइडे' के कारण जिंस बाजार बंद रहे थे।

एनालिस्ट की राय: एनालिस्ट्स ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापार तनाव ने वैश्विक अनिश्चितता को बढ़ा दिया है, जिससे निवेशकों को सुरक्षित-संपत्तियों की तलाश करने के लिए प्रेरित किया गया है। उन्होंने कहा कि जब तक दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच कोई समाधान नहीं निकलता, तब तक सोने में तेजी जारी रहने की संभावना है। वैश्विक बाजारों में, सोने का वायदा भाव 3,400.86 डॉलर प्रति औंस के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के जिंस के उपाध्यक्ष राहुल कलंत्री ने कहा, अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने तथा वैश्विक व्यापार चिंताओं के बीच सुरक्षित निवेश के रूप में खरीदारी के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई और यह नया रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले बृहस्पतिवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के खिलाफ लगातार हमले शुरू करने के बाद अमेरिकी डॉलर दो साल के निचले स्तर पर पहुंच गया। उनके कर्मचारी पॉवेल को बदलने पर विचार कर रहे हैं, जिस कदम से केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता और वैश्विक बाजारों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज की बड़े विस्तार की योजना

मुंबई, एजेंसी। एनएसई और बीएसई लिस्टेड (बीएसई-541418) नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज जो प्रीमियम क्वालिटी टूटी फ्रूटी (कैंडिड फ्रूट्स), ड्राई फ्रूट्स और डिहाइड्रेटेड फ्रूट्स के निर्माण और निर्यात में संलग्न है, ने अब ड्रिंक्स और बेवरेज सेगमेंट में विस्तार की रणनीतिक घोषणा की है। कंपनी अब मिनरल वॉटर, एरेटेड ड्रिंक्स और नॉन-अल्कोहॉलिक बेवरेज जैसे उत्पादों को अपनी रेंज में शामिल करेगी। यह कदम कंपनी की उत्पाद विविधीकरण और बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी फूड एंड बेवरेज इंडस्ट्री में फलों, नट्स, बेकरी उत्पादों और विभिन्न कृषि उत्पादों के निर्माण, प्रसंस्करण और व्यापार में सक्रिय है। इसके अलावा, कंपनी अपने नए बेवरेज उत्पादों को 'नोकंट्रोल' ब्रांड नाम से लॉन्च करेगी। रणनीतिक रूप से नागपुर में स्थित अपने मुख्यालय के साथ—जिसे भौगोलिक रूप से भारत का हृदय माना जाता है—कंपनी को राष्ट्रव्यापी कुशल और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने में लॉजिस्टिकल लाभ प्राप्त है। नाकोडा मिडिल ईस्ट और यूरोपीय देशों में एक प्रमुख निर्यातक है और दुनिया भर में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की आकांक्षा रखता है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और प्रमुख त्र20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। भारत के फूड प्रोसेसिंग सेक्टर का बाजार आकार 2035 तक 1,100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। कंपनी के ब्लू-चिप ग्राहकों में ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, पारले एग्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, हल्दीराम्स आदि शामिल हैं।

ईडीआईआई ने उद्यमिता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई :रावत

ईडीआईआई ने अपना 43वां स्थापना दिवस मनाया

मुंबई, एजेंसी। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) ने 20 अप्रैल 2025 को अपना 43वां स्थापना दिवस मनाया। गोवा के माननीय मुख्यमंत्री श्री डॉ. प्रमोद सावंत ने इस अवसर पर वर्चुअली संबोधित किया । इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथि शामिल हुए, जिनमें मुख्य अतिथि डॉ. पिरुज़ खंबाटा,चेयरमैन - रसना ग्रुप एवं काउंसल जनरल, दक्षिण कोरिया (गुजरात); सम्मानित अतिथि सुनील अंचीपाका, आईएएस, सचिव (उद्योग), गोवा; बी. एस. पाई आंगले,मेनेजिंग डायरेक्टर, ईडीसी लिमिटेड, गोवा; दिनेश सिंह रावत, चीफ जनरल मेनेजरएवं जोनल हेड (अहमदाबाद ज़ोन), आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, अहमदाबाद (एवं गवर्निंग बोर्ड मेम्बर, ईडीआईआई) तथा डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई शामिल रहे । सरकार, कॉरपोरेट, उद्योग संघों और शैक्षणिक क्षेत्र से भी कई गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में शामिल रहे। यह कार्यक्रम का केंद्रबिंदु था कि कैसे उद्यमिता, स्टार्टअप्स और इनोवेशन देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को प्रभावित कर रहे हैं।

डॉ. प्रमोद सावंत ने वर्चुअली संबोधित करते हुए गुजरात के अद्वितीय विकास मॉडल की सराहना की और देश व बाहर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ईडीआईआई की भूमिका की प्रशंसा की। माननीय मुख्यमंत्री श्री ने कहा, आज भारत, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में, एक अग्रणी स्टार्टअप राष्ट्र बनने की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है, और इस दिशा में ईडीआईआई का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। गोवा, 'विकसित भारत' और 'विकसित गुजरात' की परिकल्पना के अनुरूप एक मजबूत स्टार्टअप-केन्द्रित इकोसिस्टम स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहा है, ताकि 'विकसित गोवा' के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने ईडीआईआई - गोवा केंद्र द्वारा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों का भी उल्लेख किया (जिसका उद्घाटन 12 मार्च 2024 को हुआ था)। उन्होंने बताया कि यह केंद्र ईडीआईआई द्वारा उस पत्र के आधार पर स्थापित किया गया था, जिसे उन्होंने गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल जी को इस आवश्यकता को रेखांकित करते हुए लिखा था।

रोहिणी धुर्वे का राष्ट्रीय मीन्स कम मैरिट छात्रवृत्ति परीक्षा में चयन

चौरई। नेशनल मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति चयन परीक्षा मैं जिले के 222 छात्र-छात्राओं का चयन हुआ इसी क्रम में शासकीय हाई स्कूल मरकाहांडी की कक्षा आठवीं की छात्रा रोहणी धुर्वे पिता बिन्दे धुर्वे का चयन हुआ है। संस्था की प्रभारी प्राचार्य सरिता डेहरिया ने जानकारी देते हुए बताया की रोहनी एक होनहार छात्रा है। उसके माता पिता मजदूरी करते है। छात्रा को चार वर्ष तक प्रतिवर्ष 12000=00 बारह हजार रूपये छात्रवृत्ति मिलेगी विगत वर्ष भी शासकीय हाई स्कूल मरकाहांडी के छात्र राज वर्मा पिता लक्ष्मण वर्मा का नेशनल राष्ट्रीय का मींस छात्रवृत्ति के लिए चयन हुआ था। लगातार दो वर्षों से विद्यालय के छात्र-छात्राओं का राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति के लिए चयन हो रहा है। छात्रा की सफलता में प्रभारी प्राचार्य सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विकासखंड शिक्षा अधिकारी आर के बघेल, संकुल प्राचार्य महेंद्र अवस्थी, सी एम राइस विद्यालय के प्राचार्य रामजी वर्मा, बी आर सी विजय पवार एवं समस्त जन शिक्षकों ने छात्रा की सफलता के कुशल मार्गदर्शन के लिए विद्यालय के समस्त स्टाफ को शुभकामनाएं दी।

देव भूमि परिवार ने की आश्रम बनाने की घोषणा

छिंदवाड़ा। श्री नंदन हिल्स में देव भूमि डेवलपर्स परिवार द्वारा आयोजित त्री दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा व मंदिर का लोकार्पण महामहोत्सव के सफलतम समापन के दौरान उज्जवल कोमल प्रसाद सूर्यवंशी और पवन सुधाकर ओक्टे ने गौरैया में आश्रम की घोषणा करते हुए कहा - कि सतपुड़ा कि वादियों में बसा छिन्दवाड़ा हमारे जगत गुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती महाराज की जन्मभूमि होने के नाते हम छिन्दवाड़ा की भूमि गौरैया में आश्रम का निर्माण करने जा रहे है जिसके निर्माण हेतु भूमि गौरैया में चिन्हित कर ली गई है। अनन्त श्री विभूषित पूज्यपाद द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानन्द सरस्वती महाराज जी आश्रम में निवारत रहेंगे। जिससे हमारी पूर्व भारतीय ज्ञान परम्परा एवं गुरु परम्परा का निर्वाहन होगा और हमारे छिन्दवाड़ा के धर्मावलम्बीयों को धर्म का लाभ प्राप्त होगा।

राष्ट्रीय हिन्दू सेना द्वारा खोले गए प्याऊ

छिंदवाड़ा। राष्ट्रीय हिन्दू सेना जिलाध्यक्ष यमन साहू जी ने बताया है कि संगठन द्वारा समय समय पर समाजसेवी

कार्य किए जाते है इसी तारतम्य पर भीषण गर्मी को देखते हुए राष्ट्रीय हिन्दू सेना छिंदवाड़ा द्वारा नगर के विभिन्न मार्गों पर आने जाने वाले राहगीरों को परेशानी न हो इसलिए प्याऊ का शुभारंभ सांसद एवं नगर मंडल अध्यक्ष सौरभ ठाकुर मंडल अध्यक्ष द्वारा शुभारंभ किया गया संगठन के माध्यम से प्रायवेट बस स्टैंड, सरकारी अस्पताल, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, रेलवेस्टेशन, 4 जगह प्याऊ का शुभआरंभ किया गया है जिसमें आने जाने वाले राहगीरों को शुद्ध ताजा ठंडा पानी मिलेगा इस कार्यक्रम दौरान राष्ट्रीय हिन्दू सेना जिला उपाध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव छात्र परिषद जिलाध्यक्ष विजय गौली नगर अध्यक्ष ऋषि लाला मातृ शक्ति नगर अध्यक्ष बंदना विश्वकर्मा ब्लॉक अध्यक्ष लालू यादव जित्तू यादव अभिनाश गौली गोविंदा बम्होरे प्रधुम गुर्दे अंशुल साहू आकाश यदुवंशी मोहित ठाकरे राही साहू वैभव साहू प्रथमेश वर्मा ललित पवार राजा बाघमरे आनंद वर्मा मयंक सूर्यवंशी एवं राष्ट्रीय हिन्दू सेना के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

सौंसर में नकली नोट बनाने वाला गिरोह पकड़ाया

छिंदवाड़ा / सौंसर । थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस को नकली नोट छापने वाले गिरोह को पकड़ने में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने 15000 के नकली नोटों के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और आगे की पूछताछ जारी है। वहीं देर शाम तक आरोपियों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी में सौसर थाना प्रभारी रूपलाल उइके ने बताया कि सुबह सूचना मिली कि किन्ही अज्ञात लोगों द्वारा ग्राहक सेवा केंद्र पहुँचकर 10 हजार एवं 20 हजार अलग-अलग अकाउंट में जमा करने के लिए कहा गया। जब अकाउंट में पैसे जमा हो गए तो नोटों की जांच के दौरान आधे नोट असली तो आधे नोट नकली पाए गए। सूचना पर पहुँची पुलिस ने 2 आरोपियों को हिरासत में लिया है। जिनके पास से एक प्रिंटर भी बरामद किया गया है।

डॉ.सृष्टि को प्रदेश टॉप करने पर स्वर्ण पदक से राज्यपाल करेंगे सम्मानित

बैतूल। डॉक्टर सृष्टि सोनी को आगामी 3 मई को राज्यपाल गोल्ड मेडल से सम्मानित करेंगे। 2017 बीएचएमएस बैच की छात्रा सृष्टि ने 2022 में थर्ड ईयर की परीक्षा में मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के अंतर्गत पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। सृष्टि ने चिकित्सा शिक्षा भोपाल रानी दुलैया स्मृति होम्योपैथिक कॉलेज से की है। इसी दौरान उन्होंने निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। और थर्ड ईयर की परीक्षा में प्रदेश में टॉप किया। सृष्टि ने सफलता का श्रेय पिता शशि सोनी पति लोकेश सोनी सहित शिक्षको को दिया है।सृष्टि वर्तमान में होम्योपैथिक चिकित्सा क्षेत्र में सेवा दे रही है। कहा की जिले में रहकर चिकित्सीय सेवाएं देगी।

कॉम्बिंग गश्त में पुलिस ने एक ही रात्रि में ....

10 स्थायी व 103 गिरफ्तारी सहित कुल 113 वारंटियों को किया गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। प्रदेश स्तरीय रात्रि काम्बिंग गश्त के संबंध में पुलिस मुख्यालय भोपाल (म.प्र.) द्वारा दिये गये निर्देशानुसार जिले में अवैध गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियो की निरंतर... धरपकड़ व अवैध कार्यो में संलिप्त व्यक्तियों/अपराधियों तथा अपराधों पर अंकुश लगाने व जिले में कानून व्यवस्था बनाये रखने व आदतन अपराधियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा श्री अजय पांडे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता के द्वारा विशेष ऑपरेशन चलाकर निरंतर कार्यवाही करने के निर्देश पर छिंदवाड़ा में *दिनांक 19-20.04.2025 को रात्रि में शहर व देहात के थाना क्षेत्रो पर कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान कॉम्बिंग गस्त अनुभागवार पुलिस बल को अलगङ्कअलग स्थानो पर एकत्रित किया जाकर राजपत्रित अधिकारियों द्वारा पुलिस बल को ब्रीफ किया गया उसके बाद अलग-अलग क्षेत्रो में कॉम्बिंग गस्त के लिये रवाना किया गया । पुलिस टीम द्वारा स्थायी/गिरफ्तारी वारंटियो की धरपकड़ हेतु प्रत्येक थाने में अलग-अलग पुलिस टीम तैयार कर वारंटियो की गिरफ्तारी हेतु मुखबिर तंत्र सक्रिय कर तकनीकी शाखा (सायबर सेल) के सहयोग एवं नाकाबंदी/ दबिश देकर एक ही रात्रि में औचक नाईट काम्बिंग ऑपरेशन चलाकर.... 10 स्थाई व 103 गिरफ्तारी, इस प्रकार कुल 113 वारंटियो को दबिश / घेराबंदी / नाकाबंदी कर गिरफ्तार किया गया,* सभी गिरफ्तारशुदा वारंटियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता हैं।

जिलें में सर्वाधिक वारंट की तामीली के क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) चौरई राजेश बंजारे के नेतृत्व में थाना चौरई द्वारा कांबिग गस्त के दौरान लगातार टीम गठितकर सर्वाधिक वारंट तामील किया गया ,जिसमें 01 स्थायी व 17 गिरफ्तारी, कुल 18 वारंटियो* को गिरफ्तार किया गया, नगर पुलिस अधीक्षक (छिन्दवाडा) अजय राणा के नेतृत्व में थाना कोतवाली द्वारा गठित टीम ने *02 स्थायी व 10 गिरफ्तारी, कुल 12 वारंटियो को गिरफ्तार किया गया तथा अनुविभागीय अधिकारी (परासिया) जितेन्द्र जाट के नेतृत्व में थाना चांदामेटा में 01 स्थायी व 08 गिरफ्तारी, कुल 09 वारंटियो को गिरफ्तार किया गया, पुलिस अधीक्षक द्वारा सर्वाधिक वारंट तामीली एवं स्थायी वारंट तामील करने वाली पुलिस टीम को पुरुस्कृत करने की घोषणा की गई हैं।

आपराधिक गतिविधियो में संलिप्त व्यक्तियो/जिले के गुंडा /निगरानी बदमाश, जिला बदर के अपराधियों, जेल से रिहा आरोपियों, कबाड़ियो को काम्बिंग ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीम द्वारा सघनता से चेक किया गया व गुम इंसानो (व्यक्तियों) की दस्तयाबी की गई, जिसमें 114 गुंडा बदमाश, 79 निगरानी बदमाश, 08 जेल से रिहा, 48 कबाड़ियो को चेक कर थाना रिकार्ड में इंद्राज किया गया तथा थाना क्षेत्र में विगत दिनो गुम हुए व्यक्तियों को पुलिस टीम द्वारा तलाश की गई जिसमें 13 गुम इंसान को दस्तयाब किया गया, अवैध शराब की तस्करी/ खुले स्थान शराब पीने वाले *33 व्यक्तियों से 280 लीटर अवैध शराब जप्त कर आरोपीयों के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रभावी कार्यवाही की गई।

पार्षद प्रतिनिधि ने लगाए नगर पालिका पर आरोप

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल किरकिरी हो रही नगर पालिका परिषद की लगाए गंभीर आरोप

आष्टा। आष्टा नगर पालिका परिषद के एक पार्षद प्रतिनिधि ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया है जो की दो-तीन दिनों से पूरे शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है वीडियो वायरल होने के बाद आष्टा से लेकर जिला मुख्यालय तक खलबली मच गई। बता दे की नगर पालिका परिषद आष्टा में इन दिनों सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है यही कारण है कि पार्षद प्रतिनिधि विशाल चौरसिया ने पिछले दिनों सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर किया और उन्होंने नगर पालिका परिषद पर कई गंभीर आरोप लगाए उन्होंने कहा कि अध्यक्ष से लेकर सीएमओ तक समस्याओं को बताया जाता है लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा है सबसे ज्यादा सफाई व्यवस्था को लेकर उन्होंने चिंता जाहिर की कहा कि गाड़ियों की संख्या ज्यादा दिखाई जा रही है जबकि वार्डों में संख्या कम है ऐसे कई गंभीर आरोप लगाए।

वीडियो वायरल होने के बाद संगठन तक पहुंचा मामला : पूरे शहर में नगर पालिका की किरकिरी हुई है और पूरा मामला ही अब जग जाहिर हो गया है वीडियो की जानकारी लगते ही जिला संगठन ने भी गंभीरता से लिया और परिषद को सीहोर बुलाया जिला संगठन ने परिषद के सदस्यों को समझाइस देकर पार्षद प्रतिनिधि व अध्यक्ष के मनमुटाव को दूर करा कर फिलहाल मामला शांत कराया है।

कई मोहल्ले में नहीं पहुंच रहे कचरा वाहन : यह बात तो सही है कि शहर के कई मोहल्ले में कई हफ्ते हो जाते हैं और कचरा वाहन नहीं पहुंचते जिसके कारण लोगों को परेशानी उठाना पड़ती यहां तक की कचरा वाहन में ड्राइवर के अलावा एक हेल्पर होता है और उसे ही कचरा उठाकर वाहन में डालना होता है

लेकिन शहर में तो ऐसा देखने को ही नहीं मिलता है हर वाहन में लोगों को खुद ही कचरा डालने जाना पड़ता है। इधर कचरा वाहनों की स्थिति भी दयनीय अवस्था में है कई कचरा वाहन तो कंडोम अवस्था में पहुंच गए हैं हर कभी खराब हो जाते यहां तक की कई वाहनों में माइक ही बन्द पड़े कब निकल जाते हैं कचरा वाहन मालूम ही नहीं पड़ता है यह जरूर है कि कुछ जगहों पर यह ध्वनि सुनाई देती है।

पार्षद ने सीएमओ को भी समस्या से अवगत कराया था : दरअसल पार्षद अंजनी विशाल चौरसिया ने बताया कि वार्ड सहित अन्य समस्याओं के संबंध में मैं सीएमओ राजेश सक्सेना को भी समस्याओं से अवगत कराया लेकिन उन्होंने भी गंभीरता से नहीं लिया सबसे ज्यादा सफाई व्यवस्था में लगे वाहनों की है पूरे वार्ड में वाहन चलने चाहिए कई वार्डों में तो कई मोहल्ले में तो कचरा वाहन जाते ही नहीं है। नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने बताया कि कुछ मनमुटाव था उसे आज जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा की मौजूदगी में सुलझा लिया गया है।

नरवाई जलाने पर तीन व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा लगातार समझाईश देने के बाद भी व्यक्तियों द्वारा नरवाई में आग लगाए जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। नरवाई जलाने से होने वाले नुकसानों के बारे में कृषि विभाग द्वारा व्यक्तियों को लगातार अवगत कराया जा रहा है, साथ ही नरवाई प्रबंधन के लिए विकासखंड छिन्दवाड़ा में बीआईएसए संस्था जबलपुर के सहयोग तथा किसानों द्वारा स्वप्रेरित होकर भी बड़ी संख्या में सुपरसीडर द्वारा मूंग फसल की बोनी खड़ी नरवाई में की गई है। इन प्रयासों के बाद भी विकासखंड छिन्दवाड़ा में नरवाई जलाने पर कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने व्यक्तियों पर कार्यवाही की है। नरवाई जलाने पर शनिवार देर शाम जिले के कुंडीपुरा थाने में ग्राम अतरवाड़ा के कमलेश पिता बुद्धू चौरिया, ग्राम भानादेही के करण पिता रेशम चंद्रवंशी तथा चांद थाने में ग्राम थांवरीकला के भैयालाल पिता देवचंद पाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। विकासखंड छिन्दवाड़ा के कृषि एवं राजस्व विभाग के मैदानी अमले को नरवाई जलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश जिला प्रशासन द्वारा दिए जाने पर यह कार्यवाही की गई है। कार्यवाही के दौरान तहसीलदार, एसडीओ कृषि, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, पटवारी व एईओ उपस्थित थे।

श्रीराम मंदिर में किया भगवान शंकराचार्य के चरण पादुका का पूजन

छिंदवाड़ा। छोटी बाजार स्थित श्रीराम मंदिर में विप्र पुरोहित सेवा संगठन के तत्वाधान में गुरु पूजन का आयोजन किया गया। संगठन के अध्यक्ष पंडित श्रवण शर्मा ने बताया कि संगठन के सभी सदस्यों के सहयोग से यह आयोजन भव्य और ब्यापक रूप से किया गया जिसमें संगठन के सभी विप्रो ब्राह्मणों ने शंकराचार्य भगवान का ढोल नगाड़े ओर आतिशबाजी द्वारा स्वागत कर पूजन किया गया। इस अवसर पर श्रीराम मंदिर में शंकराचार्य भगवान ने भगवान श्रीराम के दर्शन किये और श्रीराम जी के मानव अवतार पर व्याखयान दिया मानव अवतार लेकर भगवान ने मानव जीवन कैसे जिया जाए ये भगवान राम के माध्यम से उपस्थित श्रोताओं को बड़े सरल शब्दों में सुनाया।इस अवसर पर विप्र पुरोहित सेवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष और श्रीराम मंदिर के महंत पण्डित नंदकिशोर शास्त्री, संरक्षक दयाराम दुवे, पण्डित परशुराम शास्त्री, पंडित महेश शास्त्री, पंडित देवेंद्र गुड्डू दुवे, पंडित राजेन्द्र शुक्ला पंडित यमुना प्रसाद शास्त्री पंडित घनश्याम दधीचि, पंडित नवलकिशोर शास्त्री, पंडित दीपक मिश्रा ,पंडित देव कुमार शर्मा पंडित मनीष शुक्ला पंडित विमलेश तिवारी पंडित आशीष अवस्थी ,पंडित शांतनु मिश्रा ,पंडित क्षितिज तिवारी,पंडित अर्पित पांडे, पंडित प्रकाश शुक्ला, पंडित सचिन दुवे, पंडित गोलू शर्मा, पण्डित बबलू बाजपेयी, पंडित सुमित शर्मा, पंडित केशव शर्मा, पंडित राजेश शर्मा, स्वदेशी पण्डित राजा पांडे, पंडित गगन शर्मा, सहित विप्र पुरोहित संगठन के सभी पदाधिकारी सदस्यों के साथ श्रीराम मंदिर और नगर शक्ति पीठ बड़ी माता मंदिर के पदाधिकारीगण भी उपस्थित थे।

बाल विवाह रोकने जागरूकता कार्यशाला संपन्न

मंडला। पी.एम.श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर मण्डला में वन स्टॉप सेंटर द्वारा बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया।अक्षय तृतीया त्यौहार में ज्यादातर विवाहों की शुरुआत होती है इस दौरान बाल विवाह न हो इसीलिये इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशासक मधुलिका उपाध्याय द्वारा छात्र/छात्राओं एवं उपस्थित शिक्षकों को बाल विवाह रोकने समझाइश दी गई जिसमें बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया।बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के अनुसार 21 वर्ष कम आयु का लड़का और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की का विवाह बाल विवाह माना जाता है जिसमें जेल एवं आर्थिक दण्ड का प्रावधान है।इस प्रकार अधिनियम के तहत दोषी पाये जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति जो विवाह समारोह में शामिल होते हैं या सहयोग करते हैं सभी के लिये उचित दण्ड का प्रावधान है,जिसमें माता-पिता के अलावा रिश्तेदार, बिचौलिये, पुजारी, मौलवी,केटरिंग,टेंट,नाई,ब्यूटी पार्लर, विवाह आयोजक,प्रिंटिंग प्रेस और बैंड वाले भी शामिल हो सकते हैं।बाल विवाह में पकड़े गये दोषियों को 2 वर्ष का कारावास एवं एक लाख तक का जुर्माना या सजा दोनो का प्रावधान है।वन स्टॉप सेंटर एवं हब में दी जाने वाली सहायताओं से सभी को अवगत कराया और महिला हेल्पलाईन नं.181 के बारे में बताया गया।वित्तीय साक्षरता के बारे में भी बालिकाओं को अवगत कराया गया। बालक- बालिकाओं दोनों को गुड टच- बेड टच के बारे में बताया गया।कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग से उप निरीक्षक शिव नारायण उपाध्याय द्वारा साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी गई।

दमोह से सीधे नागपुर के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

दमोह। दमोह संसदीय क्षेत्र के सांसद राहुल सिंह के सतत प्रयासों से क्षेत्र वासियों की एक बड़ी मांग दमोह से नागपुर आवागमन संबंधी पूरी होने जा रही है। इस अस्थाई ट्रेन का शुभारंभ 24 अप्रैल से होगा। क्षेत्र वासियों द्वारा लगातार दमोह से नागपुर ट्रेन के लिए मांग उठाई जा रही थी, काफी समय से देखा जा रहा था दमोह से सीधे नागपुर के लिए कोई ट्रैन नही है।

इस संबंध में दमोह संसदीय क्षेत्र के सांसद राहुल सिंह लोधी ने ट्रेन की उपयोगिता को देखते हुए सतत प्रयास किये और आज यह मांग आमजन की मंशा अनुसार पूरी हो रही है। मरीजों के इलाज की सुविधा एवं अन्य साधारण यात्रियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी से आग्रह करते हुए दमोह से सागर होते हुए नागपुर की ओर जाने वाली ट्रेन की मांग रखी थी।

उसी क्रम में पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा अस्थायी समर स्पेशल ट्रेन आगामी 24 अप्रैल से प्रारम्भ होने वाली है, जो अस्थायी रूप से दमोह से नागपुर के लिए चलेगी। दमोह से नागपुर चलने वाली ट्रेन की समय सारणी है यथा दमोह से नागपुर गाड़ी संख्या- 01704 दिन - गुरुवार, रविवार, रीवा से दोपहर 01 बजे चलकर दमोह सायंकाल 05ः23 पहुचेगी एवं अगले दिन सुबह 04ः35 पर नागपुर पहुँचेगी। इसी प्रकार नागपुर से दमोहगाड़ी संख्या 01703 दिन - सोमवार, शुक्रवारसुबह 06ः25 बजे नागपुर से चलकर रात्रि 08ः38 पर दमोह आएगी। क्षेत्र वासियों को दमोह से नागपुर आवागमन की सुविधा उपलब्ध होने के लिए दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी ने रेल मंत्री श्री अश्विनी जी को धन्यवाद दिया है। सांसद राहुल सिंह ने क्षेत्रवासियों को विश्वास दिलाते हुए रेल मंत्री, अश्विनी वैष्णव जी से भेंट कर समर स्पेशल अस्थाई ट्रैन को स्थायी कराने के लिए हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया है।

यज्ञ सामाजिक एकता व पर्यावरण चेतना का प्रतीकः नकुलनाथ

यज्ञ शाला की परिक्रमा व श्री कनक बिहारी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किए 251 कुण्डीय श्री सीताराम महायज्ञ में सम्मिलित हुए

छिन्दवाड़ा। चौरई विधानसभा क्षेत्र के चांद ब्लॉक की पावन भूमि लोनीकला में चल रहे 251 कुण्डीय श्री सीताराम महायज्ञ में सम्मिलित हुए धर्मानुरागी पूर्व सांसद नकुलनाथ ने सर्वप्रथम यज्ञ शाला की परिक्रमा कर विधि विधान से पूजा, अर्चना कर सभी के लिए सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। साकेतवासी यज्ञ सम्राट श्री श्री 1008 श्री कनक बिहारी दास जी महाराज की प्रतिमा स्थापना एवं 251 कुण्डीय श्री सीताराम महायज्ञ में सम्मिलित हुए नकुलनाथ ने श्री कनक बिहारी जी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया साथ ही उपस्थित श्रद्धालुजनों से भेंट की। आयोजित यज्ञ समारोह में शामिल हुए नकुलनाथ ने धार्मिक अनुष्ठान के महत्व पर जोर दिया और यज्ञ आयोजन समिति की प्रशंसा करते हुए समिति को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह भूमि कनक बिहारी दास जी महाराज के तप, तपस्या व अनुष्ठानों से पावन हुई है जिसका महत्व जिले का प्रत्येक श्रद्धालु भक्तजन जानते हैं। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे यज्ञ समारोह में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ है। यज्ञ केवल धार्मिक चेतना नहीं बल्कि सामाजिक एकता व पर्यावरण चेतना का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों से साकारात्मक ऊर्जा का निरंतर प्रवाह होता है। उन्होंने अंत में पुनः यज्ञ शाला व श्री कनक बिहारी जी महाराज को नमन किया।

क्षेत्रीय कमेटियां होंगी सशक्त तब बूथ होगा मजबूतः नकुलनाथ क्षेत्रीय कमेटी अध्यक्षों की बैठक में शामिल हुए

छिन्दवाड़ा। बूथ को मजबूत करने के लिए सबसे पहले क्षेत्रीय कमेटियों का सशक्त होना नितांत आवश्यक है। यह तब संभव होगा जब अध्यक्षगण अपनी क्षेत्रीय कमेटियों में पूर्ण सक्रियता के साथ कार्य करें साथ ही संगठन को मजबूत करने की दिशा में निरंतर जुटे रहें। संगठनात्मक गतिविधियों पर जोर देने की आवश्यकता है। उक्त उदगार आज जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी ने उमरेठ व मैनीखापा क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों की आयोजित बैठक में व्यक्त किए।क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी उमरेठ व मैनीखापा के ब्लॉक अध्यक्षों में जोश भरते हुए माननीय नकुलनाथ जी ने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक पदाधिकारी व कार्यकर्ता सच्चा व निष्ठावान है, इसीलिये वह देशहित व जनहित में सोचता है, क्योंकि उसे पार्टी से विरासत में देशभक्ति ही मिली है। उन्होंने उपस्थित अध्यक्षगणों से कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ लगातार आक्रामक होकर विरोध करें, जनता तक सच्चाई पहुंचाए। उन्होंने संगठनात्मक विषयों पर चर्चा करते हुए उपस्थित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उमरेठ व मैनीखापा क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी के उपस्थित अध्यक्षों से पार्टी स्तर पर संचालित गतिविधियों के सम्बंध में जानकारी ली।

सारनी मे आईपीएल का शनिवार और रविवार बजता डबल गेम

रघुवंशी, मुकेश, बारंगे, पवार, ललित ,और राजा बाबू खैरवानी का आई पी एल में चौका छक्का

योगेश गुप्ता सारनी । विधान सभा आमला सारणी नगर पालिका क्षेत्र में सूत्रों की माने तो आई पी एल सट्टे के लिए चर्चित मुख्य नाम जो सूत्रों के मुताबिक सामने आ रहे है। राकेश,और राकेश मुकेश, गुड्डू ,ललित, राजा, खैरवानी का शनिवार और रविवार को डबल गेम रहता है। इनका नाम ही काफी क्योंकि सारनी पुलिस इनको सरनेम सहित जान पहचान सकती है। पाथाखे?ा ,सारनी, खे?ली बाजार के कनेक्शन ई आई पी एल का सट्टा बाजार संचालित होने की जानकारी इटारसी मध्य प्रदेश से भी होना बताया जा रहा है। ऐसी पब्लिसिटी हो रही है। क्योंकि इस दिन आई पी एल में दो मैच होते है। जानकारों ने बताया कि पहला मैच शुरू होने के साथ ही इन चारों के मोबाइल दूसरे मैच के निर्णय तक फुल टाइम व्यस्त रहता है। इस समय इन चारों के मोबाइल से एक जैसी आवाज सुनाई देती है। कि इस समय यूजर किसी अन्य काल पर व्यस्त है। इनका डबल मैच वाले दिन उतारा भी डबल हो जाता है। आम जन को समझना जरा कठिन है। कि सारणी क्षेत्र में इनके खेल को क्षेत्र का हर तपका जानता है। और राजा बाबू का खे?ली बाजार मे ई आई पी एल मैच में चौका ,छक्का लगाये जाने का भी शोरगुल सुनाई आता है। समाचार प्रकाशन के बाद भी अनुभवी सक्रीय थाना प्रभारी और एसडीओपी साहब इन चारो सवाल और जवाब क्यों नही कर पा रहे कहने का मतलब ये साफ हो जाये की ये सिर्फ अफाये चल रही है।लेकिन क्षेत्र की जनता का सवाल है कि पुलिस इन तक पंहुच क्यों नही पा रही है। बताया जा रहा ही की ये चारो राजनैतिक पार्टी को समर्थन करते है। बल्कि प्रचार के लिए जनप्रतिनिधियों के साथ अपने फोटो भी प्रकाशित करते रहे है। अब ऐसी स्थिति में इन पर कार्यवाही नहीं होने का क्षेत्र की जनता अनुमान लगा रही है।

इनका कहना है ।

समाचार पत्रों से सभी नामो की जानकारी मिल चुकी है। पाथाखे?ा चौकी प्रभारी को निर्देश दिए है। ?िलहाल कोई कार्यवाही नही की गई।मामला दर्ज करके कार्यवाही की जायेगी।

रोशन जैन, एस डी ओ पी सारनी

विधायक उमाकांत शर्मा ने प्रदान किया 3 करोड़ की लागत का विद्युत सबस्टेशन

सिरोंज। पगरानी क्षेत्र के करीब डेढ़ दर्जन से अधिक गांवों के किसानों को अब खेती के लिए बोल्टेज के साथ पर्याप्त बिजली आपूर्ति एवं चौबीस घंटे घरेलू बिजली का भरपूर लाभ मिल सकेगा। शनिवार दोपहर को विधायक उमाकांत शर्मा ने ग्राम पगरानी में महुआखेड़ा मार्ग पर करीब तीन करोड़ सोलह लाख चालीस हजार की लागत से बनकर तैयार हुए 33 /11 केव्ही के विद्युत सब स्टेशन का लोकार्पण करते हुए क्षेत्र की जनता को समर्पित किया। सबस्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि विधान सभा चुनाव के पहले हमने इस सब स्टेशन की नींव रखी थी। इसके अलावा सिरोंज लटेरी विधानसभा में पांच अन्य सबस्टेशन बनाने का काम चल रहा है। जिसमें से गरेथा सबस्टेशन से बिजली देने का काम पूर्व में शुरू हो चुका है। देश में ओर मध्यप्रदेश में केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही हैं जो गांव गरीब किसान के समग्र विकास को लेकर काम करती हैं। आज मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव क्षेत्र के चहुमुंखी विकास के लिए प्रयत्नशील है। हमने सिरोंज लटेरी क्षेत्र को स्वर्णिम बनाने का लक्ष्य लिया है इस दिशा में हम लगातार काम कर रहें हैं। पगरानी में 33 केव्ही के विद्युत सब स्टेशन बन जाने से इस क्षेत्र के अठारह से अधिक गांवों के किसान और निवास करने वाली ग्रामीण जनता को पर्याप्त बोल्टेज के साथ आए दिन होने वाली बिजली संबंधी समस्याओं का स्थाई रूप से निराकरण हो सकेगा।

विज्ञान मंथन यात्रा में चयनित 375 विद्यार्थी आज शाम मुख्यमंत्री से मिलेंगे

दिल्ली-चंडीगढ़ यात्रा पर जाएंगे

भोपाल। प्रदेश सरकार की विज्ञान मंथन यात्रा के तहत चुने गए 10वीं, 11वीं और 12वीं के 375 विद्यार्थी आज शाम को ७ बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलेंगे। मुख्यमंत्री निवास पर उनके सम्मान में भोज और संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इन चयनित छात्रों को दो ग्रुपों में बांटा गया है। दोनों ग्रुप 22 अप्रैल को रानी कमलापति स्टेशन से वंदे भारत ट्रेन से दिल्ली-चंडीगढ़ यात्रा पर जाएंगे। बता दें बच्चों को देश की बड़ी-बड़ी वैज्ञानिक प्रयोगशालाएं और संस्थान दिखाए जाते हैं, ताकि वे किताबों से बाहर निकलकर असली विज्ञान को समझ सकें। इस साल यह यात्रा 21 से 27 अप्रैल तक आयोजित की जा रही है। ऐसे में 17वीं विज्ञान मंथन यात्रा के तहत 21 अप्रैल को सभी चयनित विद्यार्थी नेहरू नगर स्थित विज्ञान परिषद कार्यालय में इकट्ठा होंगे। यात्रा के बाद परिषद एक विशेष परीक्षा आयोजित करेगा। इसमें हर कक्षा से 20 सफल छात्रों को पांच सालों तक 12 हजार रुपए की वार्षिक स्कॉलरशिप भी मिलेगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस दौरान बच्चों से संवाद करेंगे। भोपाल के वैज्ञानिक संस्थानों के प्रमुख वैज्ञानिक भी इसमें शामिल होंगे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री यात्रा का फ्लैग ऑफ भी करेंगे। बता दें, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी) द्वारा चलाया जा रहा यह कार्यक्रम 16 साल से निरंतर चल रहा है। इसका उद्देश्य विज्ञान में रुचि रखने वाले होनहार बच्चों को प्रोत्साहित करना और उन्हें वैज्ञानिक सोच से जोड़ना है।

33 विज्ञान शिक्षक होंगे मार्गदर्शक: प्रदेशभर से कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के विज्ञान विषय के 375 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। चयन प्रक्रिया 5 जोनों में बांटकर की गई, हर जोन से 75 विद्यार्थी चुने गए। कक्षा 10वीं से 125 (76 छात्र, 49 छात्राएं), 11वीं से 125 (71 छात्र, 54 छात्राएं) और 12वीं से 125 (77 छात्र, 48 छात्राएं) चयनित हुए। चयन ऑनलाइन प्रक्रिया से किए गए हैं। इनके मार्गदर्शन के लिए 33 विज्ञान शिक्षकों का भी चयन किया गया है।

इन प्रमुख संस्थान ले जाया जाएगा: सीवी रमन ग्रुप (चंडीगढ़ यात्रा) 11वीं और 12वीं के छात्र - सीएसआईआर, आईआईएसईआर, पीएससीएसटी, एनआईपीईआर। एपीजे अब्दुल कलाम ग्रुप (दिल्ली यात्रा) 10वीं के छात्र - नेशनल साइंस सेंटर, इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट, राष्ट्रपति भवन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सोमवार को स्टेट हैंगर पर आनंदपुर धाम के पदाधिकारियों ने सौजन्य भेंट की और मुख्यमंत्रीजी को गुरु महाराज का प्रसाद देकर आनंदपुर धाम पधारने का आभार व्यक्त किया।

नेशनल हेराल्ड मामला देश को गुमराह करने के लिए भाजपा की साजिश: कांग्रेस

भोपाल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं लोकसभा सांसद कुमारी शैलजा ने पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि नेशनल हेराल्ड मामला देश के सामने मौजूद ज्वलंत मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने और देश को गुमराह करने के लिए भाजपा की साजिश है, जो कि सरासर एक राजनीतिक प्रतिशोध है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर आरोपपत्र कुछ और नहीं बल्कि एक गैर-मौजूद मामले के जरिए जनता का ध्यान बेरोजगारी, गिरती जीडीपी और सामाजिक अशांति से भटकाने, जनता को भ्रमित करने और बरगलाने के लिए गढ़ा गया एक झूठ है। आर्थिक संकट, लोगों के मुद्दों और विदेश नीति से जुड़ी चुनौतियों- अमेरिका, चीन और बांग्लादेश से ध्यान भटकाने के लिए उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। यह कानूनी छद्मवेश में प्रतिशोध के अलावा कुछ और नहीं है। पहली बार बिना पैसे या एक मिलीमीटर संपत्ति के हस्तांतरण के मनी लॉन्ड्रिंग का मामला बनाया गया है। अपराध की आय कहाँ है?

कानून का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। जब पैसा ही नहीं है तो लॉन्ड्रिंग या अपराध कहाँ है? अगर कोई कंपनी कर्ज से छुटकारा पाना चाहती है तो वह एक नई कंपनी बनाती है और उस कर्ज को नई कंपनी में ट्रांसफर करती है- कंपनी कानून के मुताबिक यह कानूनी है। जब पैसा ही नह है तो लॉन्ड्रिंग कहाँ है? अगर कोई अपराध हुआ है तो वह दो मास्टरमाइंड ने किया है, जिन्होंने मनी लॉन्ड्रिंग का झूठा प्रचार करके कानून का दुरुपयोग किया है। चुनिंदा न्याय कुछ और नहीं बल्कि राजनीतिक ठगी है। प्रवर्तन निदेशालय को जवाब देना चाहिए कि एजेंसी ने ह्रष्ठ के किसी सहयोगी य भाजपा नेता को क्यों नहीं हुआ। सरकार ने श्वष्ठ को अपना चुनाव विभाग बना लिया है और बदले की भावना से इसका बार-बार दुरुपयोग क रही है। ईडी के मामलों में सजा की दर सिर्फ 1 प्रतिशत है। इसके अलावा, श्वष्ठ ने जो राजनीतिक मामले दर्ज किए हैं उनमें से 98 प्रतिशत सत्ताधारी पार्टी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ हैं।

ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण के खिलाफ ट्रांसफर पिटीशन पर सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में आज

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट में आज मप्र में ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने के खिलाफ लगाई गई 52 ट्रांसफर पिटीशन पर सुनवाई होगी। इन याचिकाओं को एमपी हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर किया गया है। दोपहर बाद इन याचिकाओं पर सुनवाई होगी। बता दें, कमलनाथ सरकार ने 2019 में ओबीसी वर्ग का आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 फीसदी कर दिया था। इसके बाद विधानसभा में इससे जुड़े विधेयक को पारित कर दिया गया। 2 सितंबर 2021 को सामान्य प्रशासन विभाग ने ओबीसी को भर्ती में 27 फीसदी आरक्षण देने का सर्कुलर जारी किया था। इसके खिलाफ यूथ फॉर इक्वेलिटी संगठन हाईकोर्ट गया। 4 अगस्त 2023 को हाईकोर्ट ने सरकार के सर्कुलर पर रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने मार्च 2019 में ओबीसी के लिए बढ़ाए गए 13ञ्च आरक्षण पर रोक लगाई थी। इसी अंतरिम आदेश के तहत बाद में कई अन्य नियुक्तियों पर भी रोक लगा दी गई। संबंधित याचिका 2 सितंबर 2024 को हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर हो गई। इसी तरह राज्य शासन ने ओबीसी आरक्षण से जुड़ी करीब 70 याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करा ली हैं, जिन पर फैसला आना बाकी है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद मप्र में भर्तियों पर रोक लग गई थी। भर्तियां न होने से सरकार और राज्य लोक सेवा आयोग दबाव में थे। साल 2022 में सामान्य प्रशासन विभाग ने 87-13 फॉर्मूला बनाया और एपीपीएससी को इसके आधार पर रिजल्ट जारी करने का सुझाव दिया।

आठ साल का जूनियर बजरंग बड़े बाघ से लड़ाई में घायल हुआ, टीम ने किया उपचार

भोपाल। कान्हा टाइगर रिजर्व के प्रसिद्ध बाघ टी-118, जिसे जूनियर बजरंग के नाम से जाना जाता है, उसको हाल ही में एक अन्य बाघ के साथ संघर्ष के दौरान चोटें आई हैं। यह घटना किसली रेंज में हुई, जहां पार्क स्टाफ ने बाघ को लंगड़ाकर चलते हुए देखा। इसके बाद पार्क प्रबंधन ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को संभालने के लिए तुरंत कार्रवाई की। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र संचालक रविंद्र मणि त्रिपाठी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में उप संचालक, सहायक संचालक बंजर, कान्हा परिक्षेत्र अधिकारी और रेस्क्यू दल के अनुभवी सदस्य शामिल थे। टीम ने बाघ की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

जांच में हुई लड़ाई की पुष्टि

वन्यप्राणी चिकित्सकों ने बाघ को ट्रेंकुलाइज कर उसके स्वास्थ्य की जांच की। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि बाघ को अन्य बाघ के साथ संघर्ष के दौरान पंजों और दांतों से चोटें आई थीं।

डिप्टी डायरेक्टर पुनीत गोयल ने बताया कि टी-118 के पंजे में बाइट मार्क्स पाए गए हैं और शरीर पर खरोंच के निशान भी मिले हैं। हालांकि बाघ को कोई भी गंभीर या अंदरूनी चोट नहीं लगी हैं, जो राहत की बात है।

इलाज कर छोड़ा जंगल में

बाघ का मौके पर ही प्राथमिक उपचार किया गया। उसकी बाहरी चोटों पर मरहम लगाया गया और स्थिति सामान्य पाई गई, जिसके बाद उसे पुनः जंगल में छोड़ दिया गया। टी-118 की उम्र लगभग आठ वर्ष है। वह पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय है। वह अक्सर किसली रेंज में दिखाई देता रहा है। पार्क प्रबंधन ने बाघ के स्वास्थ्य और व्यवहार पर नजर रखने के लिए एक पेट्रोलिंग टीम को नियुक्त किया है। यह टीम लगातार बाघ की मूवमेंट, शिकार की क्षमता और अन्य बाघों के साथ उसके व्यवहार की निगरानी कर रही है। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में पारा 40 डिग्री पार, 23 शहर सबसे गर्म रहे, कल लू का अलर्ट

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मौसम विभाग ने सोमवार को प्रदेश के सभी जिलों में आसमान साफ होने का अनुमान जताया है। इससे पूरे प्रदेश में गर्मी का असर बढ़ा रहेगा। राजस्थान से जुड़े जिलों में गर्म हवा भी चल सकती है। मंगलवार से 10 से ज्यादा जिलों में लू का अलर्ट भी है। रविवार को भोपाल इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर-चंबल के साथ मध्यप्रदेश के पूर्वी हिस्से के शहरों में भी गर्मी बढ़ गई है। सीधी में पारा 44 डिग्री के पार पहुंच गया, जबकि 40 शहर ऐसे रहे, जहां तापमान 40 डिग्री या इससे अधिक रहा। यहां दिन के साथ रातें भी गर्म हो गई हैं। प्रदेश के पश्चिमी और उत्तरी हिस्से इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग में अब तक तेज गर्मी का असर रहा है, लेकिन अब पूर्वी हिस्से सागर, सिंगरौली, रीवा, सीधी में भी गर्मी के तेवर तीखे हो गए हैं। रविवार को पूर्वी हिस्से के सीधी शहर में पारा 44.2 डिग्री दर्ज किया गया।

प्रदेश के अधिक तापमान वाले शहर

सीधी सबसे ज्यादा गर्म रहा यहां का अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री दर्ज किया गया। टीकमगढ़ में 43.4 डिग्री, खजुराहो में 43.2 डिग्री दर्ज किया गया। इसी तरह शिवपुरी में 43 डिग्री, नौगांव-रीवा में 42.5 डिग्री, मंडला में 42.3 डिग्री और सतना में पारा 42 डिग्री रहा। भोपाल में 40.6 डिग्री, इंदौर में 39.4 डिग्री, ग्वालियर में 41.2 डिग्री, उज्जैन में 39.2 डिग्री और जबलपुर में पारा 40.4 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल में 40.6 डिग्री, इंदौर में 39.4 डिग्री, ग्वालियर में 41.2 डिग्री, उज्जैन में 39.2 डिग्री और जबलपुर में पारा 40.4 डिग्री दर्ज किया गया।

15 से 20 दिन हीट वेव चलने का अनुमान

मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया कि अगले कुछ दिन तक पारे में बढ़ोतरी का दौर रहेगा। इस दौरान लू का अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग ने मई तक 15 से 20 दिन हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है। अप्रैल में दूसरे पखवाड़े में अलग-अलग जिलों में हीट वेव का असर देखने को मिलेगा। मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि अगले कुछ दिन तक पारे में बढ़ोतरी का दौर रहेगा। इस दौरान लू का अलर्ट भी जारी किया गया है। प्रदेश में मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है, जो 3 महीने रहती है।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी जेल जाकर मिले नेता प्रतिपक्ष से, बोले- राजनीतिक रंजिश के चलते एफआईआर

भोपाल। इंदौर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे को हत्या के प्रयास की धारा के तरह प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। वे फिलहाल जेल में है। सोमवार सुबह उनसे मिलने सेंट्रल जेल में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी पहुंचे। उन्होंने चौकसे से बात की और कहा कि उनके साथ पूरी कांग्रेस है और गलत एफआईआर के खिलाफ कांग्रेस सड़क पर उतरेगी। दोनों नेता सुबह साढ़े दस बजे कांग्रेस के नगर अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा और जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव के साथ सेंट्रल जेल पहुंचे।

मुलाकात के बाद प्रदेश प्रभारी चौधरी ने कहा कि चौकसे के भतीजे को सिर में गंभीर चोट आई है। वे अस्पताल में भर्ती है। दूसरे पक्ष के खिलाफ पुलिस ने गंभीर धारा में केस दर्ज नहीं किया है। चौकसे तो मौके पर घटना के समय थे भी नहीं, लेकिन उनके खिलाफ राजनीतिक रंजिश के चलते प्रकरण दर्ज किया है। कांग्रेस इस पक्षपातपूर्ण रवैए का पुरजोर विरोध करती है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पटवारी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष चौकसे नगर निगम के घोटालों को उजागर करते है। इससे सरकार बौखला गई है। इस कारण उनके खिलाफ साजिश रची गई है। एक जनप्रतिनिधि के साथ इस तरह का सलूक करना गलत है। बता दें कि इंदौर में टैंकर हटाने के विवाद में नेता प्रतिपक्ष सहित आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

जल स्तर में आ रही गिरावट, 30 जून तक नलकूप खोदने पर रोक

भोपाल। राजधानी में बारिश की असमानता और रिचार्जिंग नहीं होने से भू-जल स्तर लगातार गिर रहा है। पिछले पांच साल के आकड़े को देखें तो राजधानी भोपाल में भूजल स्तर साल दर साल गिरता जा रहा है और संभवतः इस साल भी स्तर और नीचे जा सकता है। जो कि चिंताजनक स्थिती बन रही है। 2024 केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भोपाल जिला अर्ध-महत्वपूर्ण क्षेत्र में है, जहां केवल 20.71 प्रतिशत भूजल स्तर बचा है। भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने भोपाल ने जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में 30 जून तक गैर-सरकारी और निजी नलकूप खोदने पर रोक लगा दी है। भोपाल कलेक्टर ने कहा है कि भूजल स्तर में लगातार हो रही गिरावट को रोकने के लिए 30 जून तक गैर-सरकारी और निजी नलकूप खोदने पर रोक लगा दी है। आदेश में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की पूर्व अनुमति के बिना जिले में किसी भी नलकूप या बोरिंग मशीन के आने पर रोक लगाई गई है।

भोपाल में 100 और इंदौर में 150 समेत 6 शहरों में जल्द दौड़ेंगी ई-बसें, 2 रुपए किमी होगा किराया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

केंद्र सरकार की योजना है, इसमें देश के 88 शहरों में साढ़े छह हजार से ज्यादा ई-बसें चलाई जानी हैं। इनमें से 582 बसें मप्र के खाते में आई हैं। प्रदेश के लोगों के लिए खुशखबर है 6 शहरों में इसी साल सितंबर और अक्टूबर से इलेक्ट्रिक बसें चल सकती हैं। इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन और सागर के लिए आवंटित की गई बसों में से 472 बसें मिडी ई-बस (26 सीटर) और 110 मिनी ई-बस (21 सीटर) रहेंगी। ई-बसों का किराया मौजूदा चल रही सिटी बसों के किराए से काफी कम होगा। ई-बसों को चलाने और उनके रखरखाव का जिम्मा ग्रीन सेल मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को सौंपा गया है। इसके अलावा केंद्र सरकार 12 साल के लिए ऑपरेशनल एंड मेंटेनेंस कॉस्ट भी देगी। पिछले सप्ताह ई-बसों के संचालन को लेकर मुख्य सचिव अनुराग जैन ने एक बैठक ली थी। ई- बसों का संचालन जीसीसी (ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर) मॉडल पर होगा। इसमें संबंधित फर्म बस खरीदेगी और उसके ड्राइवर, कंडक्टर, मेंटेनेंस की व्यवस्था भी खुद करेगी। इसके संचालन के लिए ऑपरेटर कंपनी को प्रत्येक बस 58 रुपए 14 पैसे प्रति किमी की दर से भुगतान किया जाएगा। इसमें भारत सरकार की तरफ से प्रति बस संचालन के लिए प्रति किमी 22 रुपए का भुगतान किया जाएगा, जबकि बाकी का भुगतान राज्य सरकार करेगी। लेकिन यह शर्त भी है कि हर बस प्रति दिन न्यूनतम 180 किमी की दूरी तय करेगी।

नई ई-बसों के लिए डिपो बनाए जाएंगे

नई ई-बसों के लिए भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर में दो-दो स्थानों पर डिपो बनाए जाएंगे। भोपाल में बैरागढ़ और कस्तूरबा नगर में 14 करोड़ की लागत से ये डिपो बनेंगे। वहीं, इंदौर के नायता मुंडला और चंदन नगर में 6 करोड़ की लागत से डिपो बनाए जाएंगे। उज्जैन और सागर में एक-एक स्थान पर डिपो बनेगा। डिपो के निर्माण के लिए 60 फीसदी पैसा केंद्र सरकार का होगा और 40 फीसदी पैसा राज्य सरकार देगी। कुल 10 डिपो के लिए राज्य सरकार करीब 24 करोड़ रुपए खर्च करेगी।डिपो के पास ई- बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन भी बनाए जाएंगे। इंदौर, भोपाल और ग्वालियर में दो-दो चार्जिंग स्टेशन बनेंगे। वहीं, जबलपुर, सागर और उज्जैन में एक-एक चार्जिंग स्टेशन बनाया जाएगा। करीब 60 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 9 चार्जिंग स्टेशन के लिए 41 किमी लंबी हाई टेंशन लाइन बिछाई जाएगी। इसके लिए केंद्र सरकार की आर्थिक सहायता से विद्युत सब स्टेशन बनाए जाएंगे।

कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान तैयार कर रहे

हर शहर के लिए कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान तैयार किया जा रहा है। यह अगले 20 साल की आबादी को देखते हुए किया जाएगा। इसके लिए हर शहर में सड़क, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और अलग-अलग एरिया में सर्वे किया जा रहा है। ई-बसों का रूट इसी सिस्टम से तय किया जाएगा। कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान में मेट्रो, बस, ऑटो और साइकिल के मार्ग अलग-अलग होंगे। जैसे कोई यात्री रेलवे स्टेशन या एयरपोर्ट पर उतरता है तो वहां पर उसे मेट्रो या सिटी बस मिल जाएगी लेकिन यह सुविधा मुख्य मार्गों तक ही सीमित रहेगी। इसके आगे बस स्टॉप या मेट्रो स्टेशन से कॉलोनियों तक पहुंचने के लिए ऑटो या अन्य छोटे वाहनों का रूट तैयार किया जाएगा। जिससे यात्री आसानी से अपने घर तक पहुंच सके। शहरों में ऑफिस टाइम (आने और जाने) पर हैवी ट्रैफिक होता है। इसके अलावा ट्रेन और बसों के आने पर भी ट्रैफिक बढ़ता है। इसी हिसाब से ई-बसों का रूट और टाइम तय किया जाएगा। उदाहरण के लिए रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर दिल्ली से आने वाली शताब्दी ट्रेन पहुंचेगी तो यहां ई-बसों की फ्रिक्वेंसी ज्यादा रहेगी। ऐसा ही प्लान इंदौर और बाकी शहरों के लिए रहेगा। बसों में टिकटिंग के लिए एक एजेंसी को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। लेकिन इस कंपनी को किराया तय करने का अधिकार नहीं होगा। बस का किराया जिले की एसपीवी (स्पेशल पर्पज व्हीकल कमेटी) तय करेगी। इसके लिए आरटीओ से सलाह ली जाएगी। परिवहन सुविधा को बेहतर बनाने के लिए मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड वन नेशन वन कार्ड लागू करने की तैयारी है। नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) के लागू होने के बाद इन 6 शहरों में सार्वजनिक परिवहन टिकटिंग सेवाओं सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए इस कार्ड का उपयोग किया जा सकेगा। यानी टिकट के लिए मल्टीपल कार्ड बनेंगे, जिसका उपयोग मेट्रो, साइकिल और बस में हो सकेगा।